केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क
बेंगलूरु अंचल

ಬೃಂದಾವನ

बृंदावन

Brindavan

2023

हे शारदे माँ

हे वीणा वादिनी सरस्वती
हंस वाहिनी सरस्वती
विद्या दायिनी सरस्वती
नारायणी नमोस्तुते
तू राह दिखाना मात मेरी
साथ निभाना मात मेरी
अंधियारा है अंतर मन
ज्योत जलाना मात मेरी

मन में करूणा भर देती
निष्पाप ह्रदय तू कर देती
भक्ति से तुझे पूजे जो
सुबह आस तू मन में भर देती
हे वीणा वादिनी सरस्वती
हंस वाहिनी सरस्वती
विद्या दायिनी सरस्वती
नारायणी नमोस्तुते

नए कार्यालय भवन - केंद्रीय उत्पाद शुल्क और केंद्रीय कर उडुपी मंडल

दिनांक 10.10.2022 को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड, नई दिल्ली के अध्यक्ष श्री विवेक जोहरी ने मंदिरों के शहर उडुपी में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और केंद्रीय कर उडुपी मंडल कार्यालय के नए कार्यालय भवन और गेस्ट हाउस का उद्घाटन किया, जिसमें केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल की प्रधान मुख्य आयुक्त श्रीमती रंजना झा एवं अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

इस भवन का निर्माण केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा ₹5 करोड़ की लागत से किया गया है। इसमें 1,210 वर्गफुट प्लिंथ क्षेत्र और 6,921 वर्गफुट भूखंड क्षेत्र है। इसमें भूतल और पहली मंजिल पर कार्यालय कक्ष हैं। पांच अतिथि कमरे, एक डाइनिंग हॉल और दूसरी मंजिल पर एक रसोईघर है। पार्किंग बेसमेंट में है.

बृंदावन

विभागीय पत्रिका

अंक 32 वर्ष 2023

संरक्षक

श्री रूपम कपूर
प्रधान मुख्य आयुक्त, केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल

सुश्री वी. उषा
मुख्य आयुक्त, सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल

प्रधान संपादक

श्री प्रदीप कुमार सुमन
आयुक्त, केंद्रीय कर
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

सहायक संपादक

श्रीमती पद्मश्री बाबु, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु
श्री वाई. सुब्रह्मण्यम, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु
श्री कुलदीप पांडेय, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु
श्री अभिषेक गुप्ता, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु

प्रकाशक

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल

पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार, रचनाकारों के निजी विचार संकलित है। इन विचारों से संपादकीय मंडल की सहमति अनिवार्य नहीं है।

संदेश

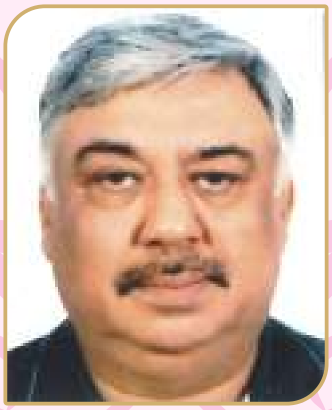

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल द्वारा गृह पत्रिका 'बृंदावन' के 32वाँ अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। यह वार्षिक पत्रिका सिर्फ हमारे कार्यकलापों का लेखा जोखा नहीं रखती है, यह हमारे विचारों के आदान-प्रदान करने का भी माध्यम है। बेंगलूरु अंचल ने पिछले तिमाही में हिंदी के साथ-साथ बाकी क्षेत्रों में भी सराहनीय कार्य किया है। दैनिक हिंदी का प्रयोग दैनिक कार्य में काफी उच्च स्तर पर है। हमारा राजस्व संग्रहण भी अपने लक्ष्य से आगे चल रहा है। मैं इस संदेश के माध्यम से जो नए अधिकारी रोज़गार मेला के माध्यम से भर्ती किए गए है, उनका हार्दिक स्वागत करना चाहूँगा और अपेक्षा करूँगा कि वे अपने नए परिवार का, और विभाग नाम हमेशा रोशन करेंगे।

जिस तरीके से हम सब लोगों ने इस पत्रिका को एक नया स्वरूप देने का प्रयास किया है, उसी तरह दिन-ब-दिन हम अपने बेंगलूरु अंचल को उच्च स्तरीय जगह पर पहुँचाएंगे।

मेरी तरफ से संपादकीय मंडल और सभी योगदानकर्ताओं को बधाई।

रूपम कपूर

(रूपम कपूर)

प्रधान मुख्य आयुक्त

केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल

संदेश

यह प्रसन्नता की बात है कि केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल विभागीय पत्रिका "बृंदावन" के 32वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका का निरंतर प्रकाशन, इस अंचल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हिंदी के प्रति भावना व निष्ठा दर्शाती है। कविता, निबंध लेखन आदि जैसे सृजनात्मक गतिविधियों में हिंदी के प्रयोग से हिंदी की समझ बढ़ती है और इससे हिंदी का प्रयोग भी बढ़ता है।

मैं आशा करती हूँ कि पत्रिका का निरंतर प्रकाशन भविष्य में भी इसी तरह होगा।

वी. उषा

वी. उषा
मुख्य आयुक्त
सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल

प्रधान संपादक की कलम से ....

हिंदी एक ऐसी भाषा है जो दक्षिण से लेकर उत्तर तक तथा पूर्व से लेकर पश्चिम तक सभी भारतवासियों को एक सूत्र में बांध रखने की शक्ति रखती है। भारत सरकार के कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल द्वारा प्रकाशित गृह पत्रिका ''बृंदावन'' का यह अंक राजभाषा कार्यान्वयन में अधिकारियों के सराहनीय कार्य को दर्शाता है। इस गृह पत्रिका के प्रकाशन में अधिकारियों एवं उनके परिवारजनों ने बहुत उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

मैं उम्मीद करता हूँ कि ये रचनाएँ पाठकों को पसंद आएँगी।

(प्रदीप कुमार सुमन)
आयुक्त, केंद्रीय कर
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता अधिकारी

श्रीमती रंजना झा, आई.आर.एस.,
सदस्य, केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क समझौता आयोग, मुंबई
(तत्कालीन प्रधान मुख्य आयुक्त, केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल)

श्रीमती रंजना झा ने दिनांक 18.09.2021 को केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल में प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यभार संभाला। अधिकारी एक बहुत ही सकारात्मक दृष्टिकोण रखती है और राज्य जीएसटी अधिकारियों और उनके सहयोगियों और टीम के सदस्यों के साथ एक अच्छा तालमेल बनाए रखती है जो कि सफलता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

उनके नेतृत्व में किए गए कई सक्रिय उपायों के माध्यम से अंचल ने न केवल राजस्व संग्रह, प्रमुख परिणाम क्षेत्रों में प्रदर्शन, परियोजना सिद्धि में लक्ष्यों को हासिल किया और उत्कृष्टता हासिल की, बल्कि विरासत के निपटान, मानव संसाधन प्रबंधन और डी.जी.ए.आर.एम. सत्यापन के साथ-साथ जीएसटी जांच और अधिनिर्णय मामलों जैसे कुछ केंद्रीकृत क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वर्ष 2019-20 में अमृतसर में 532 किलोग्राम हेरोइन जब्ती के तत्कालीन सबसे बड़े मामले की जांच वर्ष 2020 में कोविड पीक के दौरान उनकी देखरेख में की गई थी, 200 से अधिक कोविड राहत उड़ानें जिनमें 65 विशेष राहत उड़ानें शामिल थीं, जिसमें 2500 टन ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर्स शामिल थे। ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू बेड आदि को व्यक्तिगत 24/7 के आधार पर अत्यधिक फास्ट ट्रैक पर कस्टम क्लियर किया गया। वित्त मंत्री द्वारा विभिन्न बैठकों में इस कार्य की सराहना की गई है। साथ ही सी.ई.एस.टी.ए.टी. में उनके द्वारा 3000 से अधिक मामलों पर बहस की गई और उन्हें संभाला गया। सभी स्तरों पर कर्मचारियों की भारी कमी की पृष्ठभूमि में ये परिणाम उल्लेखनीय हैं। अधिकारी संगठन के लिए एक संपत्ति है। विभाग में, इस तरह के महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु उन्हें ''राष्ट्रपति पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया।

श्रीमती गीतादेवानंद
मुख्य लेखा अधिकारी
एनएसीआईएन, बेंगलूरु

श्रीमती गीतादेवानंद, मुख्य लेखा अधिकारी, इस विभाग में वर्ष 1987 में प्रवर श्रेणी लिपिक के पद पर भर्ती हुई और अब तक, असाधारण प्रतिबद्धता और कर्तव्य के प्रति समर्पण के साथ 35 वर्षों तक विभाग की सेवा की। काम के प्रति उनका दृष्टिकोण सकारात्मक है और उन्हें एलटीयू बेंगलूरु, एनएसीआईएन बेंगलूरु और अब पलासमुद्रम में एनएसीआईएन के नए परिसर के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का दुर्लभ गौरव प्राप्त है। विषय पर उनकी ज्ञान है और काम को समय पर पूरा करने के लिए उनकी क्षमता है। कर्तव्य के प्रति उनकी अनुकरणीय निष्ठा विभाग में असामान्य है, अधिकारी ने जब भी आवश्यकता हुई, कार्यालय समय से परे रहने में भी बिना किसी हिचकिचाहट के अपना काम पूरा किया। अधिकारी अपने दैनिक कार्य में अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक नियमों और विनियमों के बारे में अपनी जानकारी को अद्यतन करने के लिए अथक प्रयास करती है। कर्तव्य के प्रति उनकी अनुकरणीय निष्ठा विभाग में असामान्य है। उनके इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें "राष्ट्रपति पुरस्कार" से नवाज़ा गया है।

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के सभी अधिकारियों की ओर से इन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ

राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता अधिकारी

श्री. डी.पी. सुरेश

वरिष्ठ आसूचना अधिकारी
डीआरआई, बेंगलूरु जोनल यूनिट, बेंगलूरु

श्री. डी पी सुरेश, डीआरआई, बेंगलूरु में वरिष्ठ आसूचना अधिकारी पद पर कार्यरत हैं, जिनकी कार्यशैली बहुत ही मौलिक और नवीन है, जो किए गए कार्यों में गुणवत्ता लाती है। डीआरआई में अपने कार्यकाल के दौरान, अधिकारी ने सभी प्रकार के मामलों को संभाला है, जैसे विदेशी मुद्रा की तस्करी, नशीले पदार्थों, वन्य जीवन, समुद्री जीवन और विभिन्न प्रकार के वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामले। अधिकारी ने उन मामलों का पता लगाने/जांच में प्रमुख भूमिका निभाई है, जिसके परिणामस्वरूप नशीली दवाओं (125.60 किलोग्राम से अधिक) की बड़ी मात्रा में सोना जब्त किया गया, जिसका मूल्य रु। 526.60 लाख और विदेशी मुद्रा (7 करोड़ से अधिक), 657.01 करोड़ रुपये के राजस्व निहितार्थ के साथ वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों का पता लगाना, उनमें से कई के दूरगामी प्रभाव हैं। दर्ज मामलों से 80.87 करोड़ रुपये की वसूली हुई है। अधिकारी अपने काम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, चाहे वह मुख्यालय, लेखापरीक्षा, कर अपवंचन या केंद्रीय उत्पाद शुल्क कार्यकारी आयुक्तों के समीक्षा अनुभाग या किसी भी क्षेत्रीय संरचना में हो। उन्हें वर्ष 2009-10 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस के अवसर पर सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया है। डीआरआई, बेंगलूरु अंचल एकक में उनके योगदान को वर्ष 2020 में अतिरिक्त महानिदेशक द्वारा और वर्ष-2019 के दौरान प्रधान महानिदेशक द्वारा भी सराहा गया है। उनके द्वारा प्रदर्शित इस बेहतरीन योगदान के लिए उन्हें ''राष्ट्रपति पुरस्कार'' से सम्मानिति कया गया है।

श्री श्रीराम के नेल्ली

वरिष्ठ आसूचना अधिकारी
डीआरआई, बेंगलूरु जोनल यूनिट, बेंगलूरु

श्री श्रीराम के नेल्ली, वर्ष 1994 में, विभाग में निरीक्षक के रूप में भर्ती हुए और 2012 में अधीक्षक के रूप में पदोन्नत हुए। उन्होंने सितंबर 2016 से नवंबर 2022 तक डीआरआई, बेंगलूरु में वरिष्ठ आसूचना अधिकारी के रूप में काम किया। 28 वर्षों की अवधि में उन्होंने लगातार रिकॉर्ड के साथ विभिन्न संरचनाओं में काम किया है। उन्होंने अपनी पूरी सेवा के दौरान अनुकरणीय निष्पादन और कर्तव्य के प्रति उत्कृष्ट समर्पण प्रदर्शित किया है। उनके उत्कृष्ट विश्लेषणात्मक कौशल के परिणामस्वरूप 199 तस्करी विरोधी मामलों का पता चला, जिसमें 261.1 किलोग्राम सोने की जब्ती, विदेशी मुद्रा 23.03 करोड़ रुपये तथा 53.35 करोड़ मूल्य की सिगरेट/ ई-सिगरेट/ शामिल है जिनका कुल मूल्य रु 184.2 करोड़ है। एनडीपीएस के तहत अधिसूचित 788.18 करोड़ रुपये मूल्य के प्रतिबंधित पदार्थ की जब्ती में सक्रिय रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2800 कछुओं की लुप्तप्राय प्रजातियों को तस्करी से बचाया । उन्होंने 61 वाणिज्यिक धोखाधड़ी मामलों में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जहां 1761.96 करोड़ रुपये की शुल्क मांग जारी की गई और 168.76 करोड़ रुपये की वसूली की गई। उनकी ईमानदारी, समर्पण, परिश्रम, सत्यनिष्ठा और कर्तव्य के प्रति समर्पण उन्हें "विशेष रूप से प्रतिष्ठित सेवा रिकॉर्ड" के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार प्रशंसा प्रमाणपत्र और पदक का योग्य प्राप्तकर्ता बनाता है।

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के सभी अधिकारियों की ओर से इन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ

क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार

दक्षिण एवं दक्षिण पश्चिम क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में राजभाषा में उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए बेलगावी अपील्स आयुक्तालय को वर्ष 2020-21 के लिए द्वितीय पुरस्कार एवं वर्ष 2021-22 के लिए प्रथम पुरस्कार केरल के महामहिम राज्यपाल के कर कमलों से केंद्रीय कर बेंगलूर अंचल की प्रधान मुख्य आयुक्त श्रीमती रंजना झा ने प्राप्त किया। साथ ही केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा जी के कर कमलों से दोनों वर्ष के लिए प्रमाण पत्र केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री वाई.सुब्रह्मण्यम ने प्राप्त किया।

प्रथम पुरस्कार

द्वितीय पुरस्कार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति पुरस्कार

बेंगलूरु अपील्स-II आयुक्तालय को वर्ष 2022-23 के लिए राजभाषा में उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-1), बेंगलूरु द्वारा नियोजित "राजभाषा पुरस्कार" (सांत्वना पुरस्कार) प्राप्त हुआ। नराकास के अध्यक्ष श्री एम. शंकरन से शील्ड प्राप्त करते हुए केंद्रीय कर, बेंगलूरु अपील्स-II आयुक्तालय के आयुक्त श्री एस.अनिल कुमार (बीच में हैं) साथ में श्रीमती पद्मश्री बाबु, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु।

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के सभी अधिकारियों की ओर से इन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ

यूआरएससी, इसरो, बेंगलूरु में आयोजित संयुक्त हिंदी दिवस

इस अंचल के अधिकारियों ने दिनांक 16-12-2022 को आयोजित संयुक्त हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति(कार्यालय-2), बेंगलूरु द्वारा के विभिन्न कार्यालयों द्वारा आयोजित हिंदी प्रतियोगितओं में भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त किए। यूआरएससी केंद्र, इसरो के प्रमुख एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय2), बेंगलूरु के अध्यक्ष के करकमलों से पुरस्कार प्राप्त करते हुए अधिकारीगण।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-2) द्वारा आयोजित संयुक्त हिंदी दिवस

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-2), बेंगलूरु के तत्वावधान में केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु अंचल द्वारा संयुक्त हिंदी दिवस के सुअवसर पर "राजभाषा पर लिखित प्रश्नोत्तरी" एवं सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु अंचल ने ''निबंध प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया। दिनांक 10-03-2023 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक में केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय एवं सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालयको स्मृति चिह्न से नवाज़ा गया।

स्मृति चिह्न प्राप्त करते हुए केंद्रीय कर, बेंगलूरु उत्तर आयुक्तालय के अपर आयुक्त श्री एच.सोइखानथांग साथ में केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री वाई. सुब्रह्मण्यम

स्मृति चिह्न प्राप्त करते हुए श्री एस.बालकृष्ण, अपर आयुक्त, सीमा शुल्क, बेंगलूरु साथ में सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्रीमती एन. उषा एवं कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री कुलदीप पांडेय

शुभकामनाएं

पूर्व डब्ल्यूटीए रैंक वाली टेनिस खिलाड़ी सुश्री प्रीति उज्जिनी,जो वर्तमान में जीएसटी बेंगलूरु पश्चिम आयुक्तालय में कार्यरत हैं, हरियाणा के पंचकुला में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सेवा टूर्नामेंट 2022-23 में मिश्रित युगल श्रेणी में कांस्य पदक जीतने पर सुश्री प्रीति उज्जिनी को विभाग की ओर से ढेर सारी बधाइयाँ।

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के सभी अधिकारियों की ओर से इन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ

विषय - वस्तु

क्रम सं.	लेख	रचयिता	पृष्ठ सं.
1.	कल	अमितेश भरत सिंह	01
2.	पागल	रचना	01
3.	बेंगलूरु जीएसटी जोन		02
4.	जी.एस.टी.दिवस, 2023		04
5.	जीएसटी दिवस प्रमाण पत्र विजेता		05
6.	कर्नाटक में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सूची		06
7.	राजभाषा हिंदी	वाई. सुब्रह्मण्यम	09
8.	मेरी अटल अभिलाषा	अरुण कुमार चंद्रवंशी	09
9.	बेंगलूरु में अनुभव करने लायक अनोखे एवं महत्वपूर्ण स्थान	जॉयमानिक सावियो डोलिंग	10
10.	अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस 2023		12
11.	सीमा शुल्क दिवस - प्रमाण पत्र विजेता		13
12.	बेंगलूरु सीमा शुल्क अंचल		14
13.	सीमा शुल्क बेंगलूरु अंचल की तिमाहीवार उपलब्धियां		16
14.	सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के 60 वर्ष		18
15.	ईश-दर्शन की अभिलाषा	मित्रेश्वर झा	19
16.	तीन पीढ़ियां	कुमार सचिन	19
17.	योग	पद्मश्री बाबु	20
18.	राजभाषा सम्मेलन एवं हिंदी दिवस		22
19.	हिंदी कार्यशाला		24
20.	कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती	संजीव कटियार	24

विषय - वस्तु

क्रम सं.	लेख	रचयिता	पृष्ठ सं.
21.	जिंदगी	कुलदीप पाण्डेय	25
22.	कीमत	ओम शिव राम	25
23.	धन का भविष्य	विवेक सहरावत	26
24.	आशा	दिवाकर कुमार मिश्रा	27
25.	मैं कविता हूँ।	प्रभा	28
26.	हिन्द पुष्प	नितेश कुमार गुप्ता	28
27.	तेय्यम	बिंदु नायर	29
28.	याद आया...	मनीश	29
29.	कि युद्ध का परिणाम क्या होगा	रजनीश शर्मा	30
30.	मिलन घड़ी	आशीष गुप्ता	30
31.	The Day After	Amitesh Bharat Singh	31
32.	My Favourite Game	Apoorva	31
33.	Is Life Worth Living?	Pratishtha	32
34.	Seasons Of Love	Rachna	33
35.	Internet Addiction	Vivek Sehrawat	34
36.	कन्नड प्रशिक्षण		38
37.	ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯೋತ್ಸವ	ಪ್ರಸನ್ನ ವಿ ಎಸ್ ಜೋಯ್ಸ್	39
38.	ರಂಗೋಲಿ ಸ್ಪರ್ಧೆ		40
39.	ಪರಿಸರ ಸಂರಕ್ಷಣೆ	ರಾಮಚಂದ್ರ ಎಂ ಹೆಗಡೆ	41
40.	चित्रकारी		42

कल

कल क्या होगा, किसी को क्या है पता
उम्मीद है फिर भी कि कल आज से ज़रूर होगा अच्छा,
अगर उम्मीद कामयाब ना हुई कल, तो कल फिर आएगा
आज था कल से अच्छा, फिर पता पूरा पड़ जाएगा, पर कल फिर भी आएगा
कल की स्मृतियाँ, और कल की अपेक्षायें,
कल के ख़ाली पन्नों की यही है नयी हवा, जो भर देती है
इंसानी उम्मीदों की पतवार में इक नयी शक्ति, एक नया हौसला
नये साल का नया दिन, बदलती तारीखों की नवीनता,
जोड़े कल आज और कल को
ऐसे एक सूत्र में, जिसे कहें जीवन सभी
कल आज और कल के फेर में
कल तारीख़ बदलेगी ज़रूर फिर, और बदलेगा बहुत कुछ,
है बदलाव ही जीवन, है यही सृजन
कल हम हों या न हों
कल आज से और भी अच्छा होएगा ज़रूर

अमितेश भरत सिंह
आयुक्त
नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय
बेंगलूरु

पागल

खड़ा था वह, चुपचाप, शांत, गंभीर
बड़े ही ध्यान से देख रहा था वह जगह, जहाँ वो खड़ा था धीर,
कुछ खास बात थी, शायद तभी इतने ध्यान से देख रहा था वो,
सब थे, हाँ सब ही थे मशगूल अपने अपने कामों में,
मन में उसके आशा थी, कोई तो उसके ओर देखे, कोई तो
किसी को किसी की परवाह नहीं,
किसी को किसी से कोई मतलब नहीं,
पर इसमें अचरज की क्या बात थी?
यह तो रोज ही होता था, उसकी किसी से कभी, होती नहीं मुलाकात थी
फिर उसने कुछ सोचा और जोर से चिल्लाया,
सब कुछ क्षणों के लिए मुड़े उस ओर, फिर लग गये अपने कामो में,
वह फिर से चिल्लाया, रोया, हँसना चाहा पर हँस न पाया
क्योंकि दिल के किसी कोने में टीस उठीं थी,
अकेलेपन की, अपेक्षा की,
दुःख एक फोड़ें की भाँति उभर रहा था, उस कोने में,
आँखे शायद रो रही थी
वह दुःखी था,
शायद इसलिए कि-कभी वह भी इस स्वार्थी संसार की करोड़ों कठपुतलियों में से एक था,
पर अब नहीं, स्वयं को दिलासा देने के लिए, उसने इस बात पर गर्व महसूस किया,
अब वह नेक था,
और फिर खुशी भी,
जो उसके चारों ओर के गमगीन माहौल से मेल नहीं खाती थी
इसलिए जब इन कुछ क्षणों के विराम के बाद,
वह दिल खोलकर हँसा, तो कोई सह नहीं पाया,
क्या करें वो भी, किसी ओर खुशियाँ सही नही जाती थी,
सब ओर कंकड़, पत्थर, सड़े टमाटर,
उसके फटे बेरंग कुरते को, रंगीन बनाने लगे,
कुछ लहू के कतरे बहाने लगे,
मैं वहाँ नयी थी, बेखबर थी, की यह रोज़ का कार्यक्रम है,
हर कोई क्रूर है,
सब दुखी है, ख़ुशी एक भ्रम है,
किसी ने मेरी द्रवित आँखे देख,
बड़े प्यार से बतलाया,
उस अजनबी से मेरा परिचय करवाया,
कहा- "आप परेशान न हों,
यह तो इसका रोज़ का काम है,
पागल कहीं का"
और उसने आगे जो कुछ भी कहा,
वो मेरे कानों में पिघले शीशे सा घुसता चला गया,
मैं केवल इतना ही सुन पायी,
पागल कही का, पागल

रचना
उपायुक्त,
केंद्रीय कर, बेंगलूरु दक्षिण आयुक्तालय

बेंगलूरु जीएसटी जोन

जीएसटी को पहली बार भारत में 1 जुलाई, 2017 को लागू किया गया था, जो देश के आर्थिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड रहा है। इसने भारतीय अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में पारदर्शिता और सरलीकरण लाने के उद्देश्य से एक बहुप्रतीक्षित कर सुधार की शुरुआत की, जिससे देश एक प्रगतिशील विकसित राष्ट्र के रूप में विकसित हो सके।

जीएसटी के ऐतिहासिक महत्व को दोहराने के लिए, भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का विचार पहली बार 2000 के दशक की शुरुआत में प्रस्तावित किया गया था, 2003 में अप्रत्यक्ष करों पर केलकर टास्क फोर्स के गठन के साथ। कई दौर की चर्चाओं के बाद और बातचीत के बाद, संविधान (एक सौ एकवां संशोधन) अधिनियम, 2016, 8 अगस्त ,2016 को संसद द्वारा पारित किया गया, जिससे जीएसटी के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त हुआ। अंततः, 1 जुलाई, 2017 को पूरे देश में जीएसटी लागू किया गया, जो देश के कराधान इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। नई कराधान प्रणाली का उद्देश्य राज्य की सीमाओं के पार वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही के लिए एक एकीकृत बाजार बनाना है, जिससे अनुपालन लागत में कमी आएगी, व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

जीएसटी कार्यान्वयन में तकनीकी गड़बड़ियों और करदाताओं के बीच भ्रम सहित शुरुआती बाधाओं का सामना करना पड़ा। हालाँकि, समय के साथ, प्रणाली स्थिर हो गई है, और जीएसटी भारत की कराधान प्रणाली का एक अभिन्न अंग बन गया है। आज, जीएसटी को भारत में एक प्रमुख कर सुधार माना जाता है, जो कर संरचना को सरल बनाता है और देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देता है। **हमारी अब तक 51वीं जीएसटी परिषद की बैठकें हो चुकी हैं और जल्द ही 52 वीं बैठक होने वाली है**। बैठकों की आवृत्ति कम होना अपने आप में एक संकेत है कि कानून परिपक्व हो रहा है और शासन मजबूत हो रहा है।

भारत के निर्यात को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने और घरेलू उद्योग को आयात के साथ प्रतिस्पर्धा करने और भारत में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कर संरचना को सरल बनाने में जीएसटी के प्रभाव पर प्रकाश डालती है। यह उन लाभों की याद दिलाता है जो जीएसटी ने व्यवसायों, उपभोक्ताओं और समग्र अर्थव्यवस्था को प्रदान किया है।

जैसा कि हम जीएसटी के छह साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, हर महीने 1.5 लाख करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह एक नई सामान्य बात है। जीएसटी में पंजीकृत करदाताओं की संख्या जुलाई, 2017 में 67.83 लाख से दोगुनी से अधिक होकर अब 1.40 करोड़ हो गई है। वित्तीय वर्ष 2017-18 में राजस्व में मासिक औसत ₹ 89,885 करोड़ से वित्तीय वर्ष 2022-23 में रु.1,50,504 करोड़ तक लगातार वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक औसत मासिक राजस्व रु. 1,72,063 करोड़ रहा है।

बेंगलूरु ज़ोन में, राजस्व 2017-18 में 23253 करोड़ से बढ़कर 62333 करोड़ हो गया। 2017-18 के दौरान करदाताओं की संख्या लगभग 1.90 लाख थी जो अब बढ़कर 3.85 लाख हो गई है।

ई-वे बिल की एक कुशल प्रणाली ने सीमा चौकियों को इतिहास के पन्नों में दर्ज कर दिया है और पूरे देश में एक एकीकृत बाजार बनाने में मदद की है। इससे अंतरराज्यीय व्यापार में काफी वृद्धि हुई है। प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) द्वारा प्रकाशित एक वर्किंग पेपर से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में, अंतर-राज्य (केवल घरेलू) परिवहन किए गए माल के मूल्य में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और आयात का संचयी मूल्य और घरेलू सामान में 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कई मायनों में, यह जीएसटी की शुरूआत के साथ-साथ राज्यों के बढ़े हुए आर्थिक एकीकरण के बाद हुई परिवहन दक्षता में लाभ का संकेत है। जीएसटी में तकनीकी प्रगति जारी है। ई-चालान आज करदाता आधार को कवर करता है जो जीएसटी राजस्व में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। इससे ऑटो पॉपुलेशन के जरिए रिटर्न फाइलिंग और ई-वे बिल जेनरेशन की प्रक्रियाएं सरल हो गई हैं। अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर ने रिटर्न फाइलिंग को सरल बना दिया है और करदाताओं को उनकी लॉजिस्टिक और अकाउंटिंग दक्षता का आकलन और सुधार करने में भी मदद की है।

बाजार में दुष्ट खिलाड़ियों का एक समूह, जिन्होंने फर्जी फर्म बनाने और जीएसटी पारिस्थितिकी तंत्र में भारी मात्रा में नकली क्रेडिट पारित करने के लिए पंजीकरण की सरलीकृत प्रक्रिया का उपयोग किया है। चालू फर्जी अभियान के दौरान, डेटा एनालिटिक्स ने लगभग 45,000 की संख्या वाले ऐसे संदिग्ध पंजीकरणकर्ताओं को लक्षित करने में एक बड़ी भूमिका निभाई है। अभियान के दौरान अब तक कुल 13,900 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी चोरी का पता चला है और 1,430 करोड़ रुपये से अधिक के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट को अवरुद्ध कर दिया गया है। **कर्नाटक में 50% से अधिक लक्षित इकाइयाँ नकली पाई गई हैं।**

दिलचस्प बात यह है कि करदाताओं के परिप्रेक्ष्य में, डेलॉइट के हालिया सर्वेक्षण में यह देखना सुखद है कि 84 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत हैं कि जीएसटी मूल्यांकन सभी करदाताओं के लिए अनिवार्य होना चाहिए, भले ही सीमा कुछ भी हो।

रोज़गार मेला

माननीय केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ.महेंद्र नाथ पांडे ने डाक विभाग, बेंगलूरु द्वारा आयोजित 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान करने के लिए भर्ती अभियान 'रोजगार मेला' के हिस्से के रूप में बेंगलूरु में नए नियुक्त लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे।

सीजीएलई 2019 से सीजीएलई 2022 के माध्यम से भरी गई डीआर रिक्तियों के संबंध में विवरण

क्र.सं.	पदनाम व श्रेणी	जारी नियुक्ति प्रस्ताव
	सीजीएलई-2019	
1	निरीक्षक	150
2	कर सहायक	13
	आशुलिपिक-2019	
1	आशुलिपिक-द्वितीय	1
	सीजीएलई-2020	
1	निरीक्षक	146
2	कर सहायक	8
	आशुलिपिक-2020	
1	आशुलिपिक-द्वितीय	8
	सीजीएलई-2021	
1	निरीक्षक	35
2	कर सहायक	3
	हवलदार-2021	
1	हवलदार	109
	सीजीएलई-2022	
1	निरीक्षक	107
2	कार्यकारी सहायक	4
3	कर सहायक	25

जीएसटी दिवस 2023

केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल द्वारा दिनांक 01-07-2023 के पूर्वाह्न 10:30 बजे कॉवेरी हॉल, केंद्रीय राजस्व भवन, क्वीन्स रोड, बेंगलूरु में जी.एस.टी. दिवस 2023 को धूमधाम से मनाया गया। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सीएमडी श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का भार वहन किया। सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त श्रीमती वी. उषा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल के प्रधान मुख्य आयुक्त श्री रूपम कपूर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। केंद्रीय कर कर्नाटक अंचल के प्रधान मुख्य आयुक्त श्री रूपम कपूर ने अपने परिचयात्मक टिप्पणी व अध्यक्षीय भाषण में जीएसटी दिवस का आरंभ से लेकर 6 ठा जीएसटी दिवस वर्ष गाँठ तक का घटनाक्रम और जीएसटी संग्रहण के बारे में बहुत विस्तृत रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए। फिर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सीएमडी श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव ने अपने अतिथि भाषण में जीएसटी के बाद जो निर्धारितियों को प्राप्त स्वतंत्रता और सुविधा के बारे में बताएं। डीजी सिस्टम्स, बेंगलूरु के अपर महानिदेशक डॉ.के. बालमुरुगन ने जीएसटी पर सिस्टम्स परिप्रेक्ष्य में देश के हित में कर संचय का महत्व के बारे में बताएं।

तदुपरांत सहायक आयुक्त श्री संदीप भागा ने जीएसटी पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों की दृष्टिकोण के बारे में प्रकाश डाला। उसके पश्चात् विभागीय अधिकारियों को प्रशंसा पत्रों से नवाज़ा गया। तत्पश्चात् केंद्रीय कर, बेंगलूरु दक्षिण आयुक्तालय के उपायुक्त श्री ए.एन. मंजूनाथ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। केंद्रीय कर, बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय की अधीक्षक श्रीमती वी. सरला ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जीएसटी दिवस प्रमाण पत्र विजेता

सुश्री श्रिया गुप्ता, उपायुक्त

श्री कृष्णन एम.जी., अधीक्षक

श्रीमती अनिता दिनेश, प्रशासनिक अधिकारी

सुश्री भावना पांडेय, निरीक्षक

श्री अनिल आंतिल, कर सहायक

श्री एस. आर. हीरेमठ, हेड हवलदार

हार्दिक स्वागत

केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल के प्रधान मुख्य आयुक्त श्री रूपम कपूर को केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल में कार्यरत समस्त अधिकारियों की ओर से उनके केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल पर दिनांक 12-06-2023 को कार्यभार संभालने पर हार्दिक स्वागत।

बायीं ओर से श्रीमती वी. उषा, मुख्य आयुक्त, सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल एवं श्री रूपम कपूर, प्रधान मुख्य आयुक्त, केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल

कर्नाटक में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सूची

भारत के दक्षिण पश्चिम में स्थित कर्नाटक में तीन विश्व धरोहर स्थल हैं। ये विश्व धरोहर स्थल कहाँ स्थित हैं, आपको इन्हें कब देखना चाहिए और अपनी यात्रा को यादगार बनाने के लिए अन्य विवरण जानने के लिए यह लेख पढना जारी रखे।

1. हम्पी (1986): हम्पी भारत के पूर्ववर्ती मध्यकालीन हिंदू साम्राज्यों में से एक के विध्वंस को दर्शाता है। पंपा क्षेत्र के रूप में भी जाना जाने वाला यह स्थान, मंदिर के खंडहरों और चट्टानी संरचनाओं से भरा हुआ है, जो संभावित रूप से इस स्थान के ऐतिहासिक माहौल में योगदान देता है। यहां के अधिकांश स्मारक 1336-1570 ई. के आस-पास से संबंधित हैं।

- **स्थान:** विजयनगर जिला
- **यात्रा के लिए आदर्श समय:** अक्तूबर से मार्च
- **प्रवेश अवधि:** सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक; सप्ताह में प्रत्येक दिन खुला रहता है
- **प्रवेश शुल्क:**

भारतीयों और सार्क तथा बिम्सटेक नागरिकों के लिए	**ई-टिकट :** 35/- रुपए प्रति व्यक्ति **नकद भुगतान पर:** 40/- रुपए प्रति व्यक्ति **नोट:** 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए नि:शुल्क
विदेशियों के लिए	**ई-टिकट :** 550/- रुपए प्रति व्यक्ति **नकद भुगतान पर :** 600/- रुपए प्रति व्यक्ति

2. पट्टदकल (1987): विविध कला के वास्तविक सार का प्रतिनिधित्व करते हुए, पत्तदकल कर्नाटक के विश्व धरोहर स्थलों में से एक है। यह चालुक्य राजवंश के समयकालीन वास्तुशिल्प नवाचारों को प्रदर्शित करता है । आप देश के उत्तरी और दक्षिणी दोनों हिस्सों की कला रूपों का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण यहां के भव्य मंदिरों में देख सकते हैं।

- **स्थान:** बागलकोट जिला
- **यात्रा के लिए आदर्श समय:** अक्तूबर से मार्च
- **प्रवेश अवधि:** सुबह 6 बजे से शाम 5:30 बजे तक; सप्ताह में प्रत्येक दिन खुला रहता है
- **प्रवेश शुल्क:**

भारतीयों और सार्क तथा बिम्सटेक नागरिकों के लिए	**ई-टिकट :** 35/- रूपये प्रति व्यक्ति **नकद भुगतान पर:** 40/- रूपये प्रति व्यक्ति **नोट:** 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए नि:शुल्क
विदेशियों के लिए	**ई-टिकट :** 550/- रूपये प्रति व्यक्ति **नकद भुगतान पर :** 600/- रूपये प्रति व्यक्ति

कर्नाटक में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सूची

3. पश्चिमी घाट (2012): पश्चिमी घाट, जिसे सह्याद्रि पर्वत के नाम से भी जाना जाता है जोकि 160,000 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला हुआ है। यह घाट, तमिलनाडु, केरल, गोवा, कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्यों से होकर गुजरता हुआ समानांतर चलता है। इस साइट में 39 संपत्तियाँ ऐसी हैं जिनमें वन्यजीव अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान और वन भंडार आदि उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, यह फूल पौधों की 7,402 प्रजातियों, 139 स्तनधारियों आदि उपलब्ध विविधताओं के लिए भी जाना जाता है।

- **स्थान:** पश्चिम से दक्कन का पठार तक
- **यात्रा के लिए आदर्श समय:** अक्तूबर से मार्च
- **प्रवेश अवधि:** 24x7
- **प्रवेश शुल्क:** नि:शुल्क

कर्नाटक में संभावित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सूची

निम्नलिखित स्थल, कर्नाटक में कुछ अन्य लोकप्रिय स्थल है जिसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामांकित किया गया है।

4. होयसला की पवित्र टुकड़ियां (2014): बेलूरु में चेन्नाकेशव मंदिर और हलेबीडु में होयसलेश्वर मंदिर को सामूहिक रूप से यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों के रूप में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। होयसला युग के दौरान निर्मित, इन मंदिरों में नागर और द्रविड़ शैली की उल्लेखनीय वास्तुकला है। इन मंदिरों को उनकी पत्थर-नक्काशीदार संरचना, अद्वितीय कलात्मकता और समृद्ध मूर्तिकला सजावट के कारण दक्षिणी भारत में सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों में से एक माना जाता है।

- **स्थान:** हासन जिला
- **यात्रा के लिए आदर्श समय:** अक्तूबर से मार्च
- **प्रवेश अवधि: चेन्नाकेशव मंदिर:** सुबह 7:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक

  होयसलेश्वर मंदिर: प्रातः 6:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक
- **प्रवेश शुल्क:**
- चेन्नाकेशव मंदिर: नि:शुल्क
- होयसलेश्वर मंदिर: नि:शुल्क

कर्नाटक में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सूची

5. श्रीरंगपट्टनम द्वीप शहर के स्मारक (2014): कावेरी नदी के निकट स्थित, श्रीरंगपट्टनम एक छोटा सा द्वीप शहर है जिसे कर्नाटक के सबसे अच्छे तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है। इसमें कर्नाटक का प्रसिद्ध और सबसे बड़ा मंदिर, रंगनाथस्वामी मंदिर शामिल है, जिससे शहर का नाम मूल रूप से लिया गया था। इस शहर में एक किला, पक्षी अभयारण्य और मकबरा सहित कई ऐतिहासिक स्मारक भी हैं।

- **स्थान:** मांड्या जिला
- **यात्रा के लिए आदर्श समय:** अक्तूबर से मार्च

6. दक्कन सल्तनत के स्मारक और किले (2014): यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामांकित, डेक्कन सल्तनत के स्मारक चार घटकों की एक श्रृंखला है, जिसमें दक्कन सल्तनत के शासकों द्वारा निर्मित कई किले और मकबरे शामिल हैं। गुलबर्गा, बीदर, बीजापुर और हैदराबाद में स्थित ये स्मारक इस्लामिक और हिंदू वास्तुकला की मिश्रित शैली का प्रतीक हैं। मध्य काल के दौरान, इनमें से प्रत्येक स्मारक ने सल्तनत के इतिहास में एक महान भूमिका निभाई है।

- **स्थान:**
  - **बहमनी स्मारक:** कालबुरगी जिला, उत्तरी कर्नाटक
  - **बहमनी और बरिद शाही स्मारक:** बीदर जिला, पूर्वोत्तर कर्नाटक
  - **आदिल शाही स्मारक:** बीजापुर जिला, उत्तरी कर्नाटक
- **यात्रा के लिए आदर्श समय:**
  - **बहमनी स्मारक:** अक्तूबर से मार्च
  - **बहमनी और बरीद शाही स्मारक:** अक्तूबर से मार्च
  - **आदिल शाही स्मारक:** अक्तूबर से फरवरी
  - **प्रवेश अवधि:** पूरे दिन
- **प्रवेश शुल्क:**

बहमनी स्मारक	निःशुल्क
बहमनी और बरीद शाही स्मारक	निःशुल्क
आदिल शाही स्मारक	**भारतीय के लिए:** ₹10 से ₹100 प्रति व्यक्ति **विदेशियों के लिए:** ₹100 से ₹200 प्रति व्यक्ति

नोट: शुल्क अप्रैल 2023 तक अपडेट की गई हैं और यह भिन्न हो सकती हैं।

संकलन : हिंदी अनुभाग,केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु
सौजन्य : इसमें मुद्रित छायाचित्र कर्नाटक राज्य पर्यटन विभाग द्वारा प्रदत्त हैं

राजभाषा हिंदी

काम है तू, कर्तव्य है तू,
शब्द है तू, शिक्षा है तू,
शिष्ट है तू, विशिष्ट है तू,
पुरस्कार है तू, सम्मान है तू,
सोच है तू, संस्कार है तू,
स्वप्न है तू, रोज़गार है तू,
अन्न है तू, प्रसन्न है तू,
सिद्ध है तू, प्रसिद्ध है तू,
अस्त्र है तू, शस्त्र है तू,
शास्त्र है तू, तरीके है तू,
विश्वास है तू, वस्तु है तू,
आस है तू, एहसास है तू,
वर है तू, वरदान है तू,
संविधान है तू, नीति है तू,
धारा है तू, धरा है तू,
नियम है तू, अधिनियम है तू,

लक्ष्य है तू, दक्ष है तू,
विस्तृत है तू, विशाल है तू,
निःस्वार्थ है तू, निश्चित है तू,
प्रेरणा है तू, प्रोत्साहन है तू,
भिन्न है तू, विभिन्न है तू,
योग है तू, प्रकाश है तू,
राष्ट्र है तू, राष्ट्रीय है तू,
भोग है तू, भोज्य है तू,
भव्य है तू, भविष्य है तू,
भाग्य है तू, जिंदगी है तू,
देवता है तू, देव है तू
देश है तू, विदेश में भी है तू
हाँ राजभाषा हिंदी है तू,
हाँ राजभाषा हिंदी है तू . . .

वाई. सुब्रह्मण्यम
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय
बेंगलूरु

मेरी अटल अभिलाषा

वो देश प्रेम में ओत-प्रोत, सम-दर्शी सर्व-प्रिय
अजर अमर जिनकी परिभाषा
मेरी अटल अभिलाषा |

वो राजनीति के अजातशत्रु, तटस्थ प्रेरक प्रियदर्शी
रोधार्य जिनकी परिभाषा
मेरी अटल अभिलाषा |

वो वक्तव्य कईं ढाणी कवि, प्रणम्य अपरिमेय श्रवनीय,
स्मरणीय जिनकी परिभाषा
मेरी अटल अभिलाषा |

वो अलौकिक वाणी-संयमी मनुज, अकथनीय अनुकरणीय,
अचल निश्चल जिनकी परिभाषा,
मेरी अटल अभिलाषा |

जो परमाणु की क्षमता से, करे माँ भारती को आरचित,
निर्भयता जिनकी परिभाषा
मेरी अटल अभिलाषा |

वो भव-सागर अब तर चुके, अभूतपूर्व अश्रुतपूर्व युगीन,
परमार्थिक जिनकी परिभाषा
मेरी अटल अभिलाषा |

अरुण कुमार चंद्रवंशी
अधीक्षक, अपील आयुक्तालय, सीमा शुल्क
बेंगलूरु

बेंगलूरु में अनुभव करने लायक अनोखे एवं महत्वपूर्ण स्थान

1) विस्टाडोम कोचों पर आनंदमय सवारी के माध्यम से शानदार पश्चिम घाट का अनुभव: 11 जुलाई 2021 को यशवंतपुर एक्सप्रेस को पहली बार संचालन हेतु मंगलूरु से रवाना किया गया, विस्टाडोम कोच, शानदार और भव्य पश्चिमी घाट विशेष रूप से मंगलूरु-बेंगलूरु मार्ग पर घाट का सकलेशपुर-सुब्रमण्या भाग जो पहाड़ों, घाटियों और हरियाली के अद्भुत, सुरम्य, मनोरम एवं मनमोहक दृश्य को निर्बाध एवं 360 डिग्री दृश्य पेश करते हैं। विस्टाडोम सवारी का अनुभव करने का सबसे अच्छा समय मानसून के मौसम के दौरान होता है, जो हरे-भरे प्रकृति की प्रचुर रचनाओं के साथ मार्ग के सुंदर दृश्य को बढ़ाता है।

2) फ्लाई डाइनिंग का अनुभव:

हाँ, आपने सही सुना! बेंगलूरु देश का पहला शहर बन गया है, जहां फ्लाई डाइनिंग का अनुभव किया जा सकता है, जो भोजन करने वालों को आकाश में भोजन करने का मौका प्रदान करता है। 22 लोगों के लिए टेबल को जमीन से 160 फीट ऊपर हवा में एक क्रेन द्वारा उठाया जाता है और होटल के 4 स्टाफ सदस्यों द्वारा 45 मिनट के स्लॉट में आपको भोजन और पेय पदार्थ परोसा जाता है। साथ ही आप नागवारा झील, मान्यता टेकपार्क और बेंगलूरु की प्राकृतिक हरियाली के मनमोहक एवं आकर्षक दृश्यों का भी आनंद ले सकते हैं। जब आप इस शहर में हों, तो इस असाधारण और भव्य अनुभव का आनंद लेना न चूकें।

3) बेंगलूरु की लालबाग पुष्प प्रदर्शनी का अनुभव:

हर वर्ष दो बार (स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के दौरान) आयोजित होने वाला प्रतिष्ठित लालबाग **फ्लावर शो** देखने लायक और अनोखा अनुभव है, जहां भारत का उद्यान शहर, सैकड़ों प्रकार के फूलों के प्रदर्शन के साथ खिल उठता है, जिसमें दुनिया के विभिन्न हिस्सों के कुछ दुर्लभ फूल भी शामिल हैं। बेंगलूरु के दक्षिणी भाग में स्थित लालबाग बॉटनिकल गार्डन , दक्षिण एशिया के सबसे विविध वनस्पति उद्यानों में से एक माना जाता है।

Neer dosa

Filter Coffee

4) कर्नाटक के स्वादिष्ट, मुंह में पानी ला देने वाले व्यंजनों से अपने स्वाद को बढ़ाएं: चाहे वह उत्तरी कर्नाटक का धारवाड़ पेड़ा हो या दक्षिण कर्नाटक की बैंबू शूट करी से लेकर मंगलूरु का प्रसिद्ध नीर डोसा, बेंगलूरु में आपको स्वादिष्ट, मुंह में पानी ला देने वाले और उंगलियों को चाटने वाले व्यंजनों के लिए कर्नाटक व्यंजनों के कई विकल्प हैं। अपनी जीभ को कर्नाटक के मीठे और मसालेदार स्वाद से परिचित कराए। सॉफ्ट नीर डोसा का स्वाद चखे बिना या गर्म फिल्टर कॉफी का एक घूंट ग्रहण किये बिना, शहर का भ्रमण निश्चित रूप से पूरा नहीं होगा। एक थका देने वाले दिन के बाद, अपने शरीर को तरोताजा और शीतल रखने के लिए माजिगे (छाछ) का सेवन करें और यह अधिकांश भोजनालयों और रेस्तरां में आसानी से उपलब्ध है। राज्य के अन्य प्रसिद्ध खाद्य पदार्थों में कुछ नाम कोरी गस्सी (चिकन करी), कोडगु पांडी करी, बिसी बेले बाथ, केसरी बाथ और पायसा हैं।

Payasa

Kesari Bath

बेंगलूरु में कर्नाटक के प्रामाणिक व्यंजन परोसने वाले उल्लेखनीय स्थानों में मावल्ली टिफिन रूम (विशेषकर नीर डोसा और मसाला डोसा के लिए), श्रीसागर सीटीआर (फ़िल्टर कॉफ़ी), इंडियन कॉफ़ी हाउस, बनशंकरी स्थित सी इस्पाइस (विशेषकर मैंगलोरियन तटीय भोजन के लिए), बसवनगुड़ी स्थित ब्राह्मण कॉफ़ी बार (इडली, कॉफ़ी), मल्लेश्वरम में हल्ली मने और हल्ली ऊटा उनमें से कुछ नाम हैं।

5) बसवनगुडी कडलेकायी परिशे (मूंगफली उत्सव) का अनुभव:

मूंगफली उत्सव के रूप में लोकप्रिय, कडलेकायी परिशे मूंगफली की फसलों की पहली पैदावार का स्वागत करता है, जहां बेंगलूरु के सबसे पुराने उपनगरों में से एक, बसवनगुडी में बुल टेम्पल, डोड्डा गणेश तीर्थ और ब्यूगल रॉक पार्क के आसपास के क्षेत्र में मूंगफली की विभिन्न किस्मों और गुणों के ढेर उगते हैं। बसवनगुडी कडलेकायी परिशे, प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह के अंतिम सोमवार को आयोजित किया जाता है। चूंकि यह त्योहार हिंदू कैलेंडर के अनुसार मनाया जाता है इसलिए अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इसकी तारीख़ निश्चित नहीं रहती है। निश्चित तारीख़ें जानने के लिए प्रत्येक वर्ष नवंबर के दौरान मीडिया घोषणाओं पर नज़र रखें।

6) उग्र नंदी की कहानी:

किंवदंती है कि 1537 ई. में, क्षेत्र में मूंगफली उगाने वाले किसान एक बैल से परेशान थे, जिसने रात में उनकी फसलें नष्ट कर दीं। लोगों ने सोचा कि यह शिव का बैल नंदी है और वह क्रोधित हो गया है। कहानी यह है कि बेंगलूरु के राजा और संस्थापक केम्पे गौड़ा ने बैल को खुश करने का फैसला किया और बसवनगुड़ी में पहाड़ी की चोटी पर एक पत्थर के ऊपर एक विशाल बसवा (बैल) बनवाया। इसके बाद एक अजीब घटना घटी । पवित्र बैल की ऊंचाई बढ़ती रही। अंत में, ग्रामीणों ने अपनी मूंगफली की पहली फसल बैल को चढ़ानी शुरू कर दी। तभी वह शांत हो गया और बढ़ना बंद हो गया।

7) बेंगलूरु पैलेस की शाही यात्रा का अनुभव:

बुर्जयुक्त प्राचीरें, दीवारें, किलेबंद मीनारें और मेहराबें इंग्लैंड के विंडसर कैसल की तर्ज पर बनी इस शाही वास्तुकला की उत्कृष्ट कृति को सुशोभित करती हैं और 454 एकड़ की विशाल भूमि पर 45000 वर्ग फुट में फैली हुई हैं। महल की इमारत के अंदर वाइसराय, महाराजाओं और अन्य प्रसिद्ध हस्तियों की उत्कृष्ट नक्काशी, पेंटिंग और तस्वीरें विशेष आकर्षण पैदा करती हैं। 1878 में निर्मित महान वास्तुशिल्प सौंदर्य का यह प्रतीक, ट्यूडर और स्कॉटिश गोथिक का मिश्रण है - जो ब्रिटेन से आयातित अद्वितीय भौतिक तत्वों से सुसज्जित है। बेंगलूरु शहर के केंद्र से 5.3 किलोमीटर उत्तर में वसंत नगर में स्थित महल तक निजी और सार्वजनिक परिवहन की सहायता से आसानी से पहुंचा जा सकता है।

संकलन : जॉयमानिक सावियो डोलिंग
अधीक्षक, केंद्रीय कर
प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु

अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस - 2023

दिनांक 27-01-2023 को बेंगलूरु सीमा शुल्क अंचल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस मनाया गया। दीप प्रज्वलन तथा गणेश वन्दना के साथ कार्यक्रम का श्रीगणेश हुआ। श्रीमती काजल सिंह, प्रधान आयुक्त, एपी एवं एसीसी, बेंगलूरु ने स्वागत भाषण दिया एवं मंचासीन गणमान्य व्यक्तियों, सभी विभागीय अधिकारीगण, वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारियों, उद्योग एवं व्यापार समूह के माननीय सदस्यों, सभा में उपस्थित सभी का स्वागत किया। इस वर्ष श्रीमती काजल सिंह, प्रधान आयुक्त, एपी एवं एसीसी, सीमा शुल्क, बेंगलूरु की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

श्रीमती कामेश्वरी सुब्रमणियन, आई.आर.एस, सेवानिवृत्त मुख्य आयुक्त, वित्त विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्री भास्कर आनन्द राव, सी.एफ.ओ, मेसर्स केम्पेगौड़ा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड, बेंगलूरु विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। श्रीमती कामेश्वरी सुब्रमणियन, आई.आर.एस, सेवानिवृत्त मुख्य आयुक्त ने मुख्य अतिथि भाषण दिया। तदुपरांत व्यापार के सदस्यों एवं विभागीय अधिकारियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

वर्ष 2023 के लिए "अगली पीढ़ी का पोषण: ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति और सीमा शुल्क में पेशेवर गौरव को बढ़ावा देना" थीम थी। श्री आदित्य बाजपेयी, उपायुक्त, एपी एवं एसीसी, बेंगलूरु के धन्यवाद भाषण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सीमा शुल्क दिवस - प्रमाण पत्र जेता

श्री शोभी थॉमस, अधीक्षक

श्री संतोष के.एस., अधीक्षक

श्रीमती मैथिली, अधीक्षक

श्री आर.भास्कर, अधीक्षक

श्री रमेश चंद्र त्रिपाठी, अधीक्षक

श्री दीपक मोर, अधीक्षक

सीमा शुल्क दिवस - प्रमाण पत्र विजेता

श्री श्रीधरमूर्ति एम. तवाग, अधीक्षक

श्री राम जतन रे, अधीक्षक

श्री एस.आर. चूंगमून कोइरेंग, अधीक्षक

श्री मित्रेश्वर झा, अधीक्षक

श्री राजीव वर्मा, मूल्यांकक

श्री सचिन राजपुरोहित, निरीक्षक

श्री आमोद कुमार पॉल, निरीक्षक

श्री गोल्डी, निरीक्षक

श्री रवि कुमार, निरीक्षक

श्री विकास शर्मा, निरीक्षक

श्री अनुज कुमार, कर सहायक

श्री एन. कृष्ण मूर्ति, हेड हवलदार

बेंगलूरु सीमा शुल्क अंचल

बेंगलूरु सीमा शुल्क अंचल के क्षेत्राधीन कर्नाटक राज्य में आईसीडी, हवाई अड्डों सहित सीमा शुल्क बंदरगाहों पर अधिकार क्षेत्र है। तीन कार्यकारी आयुक्तालय, हवाई अड्डा और एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स आयुक्तालय, बेंगलूरु, नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय, बेंगलूरु, मंगलूरु सीमा शुल्क आयुक्तालय और एक सीमा शुल्क अपील आयुक्तालय हैं। विभिन्न हवाई अड्डों, बंदरगाहों, अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, अंतर्राष्ट्रीय कूरियर टर्मिनल और विदेशी डाकघर, बेंगलूरु में यात्रियों, कार्गो, डाक और कूरियर पार्सल की सीमा शुल्क निकासी से संबंधित कार्यों के अलावा, अधिकारी सौंपे गए निवारक कार्यों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार हैं। नगर सीमा शुल्क और मंगलूरु सीमा शुल्क विभाग अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में तस्करी के सामान की आवाजाही पर नज़र रखता है। मंगलूरु कस्टम्स लगभग 320 किलोमीटर लंबे अरब सागर तट पर समुद्र और सड़क गश्त के लिए जिम्मेदार है।

राजस्व- चालू वित्तीय वर्ष में अगस्त 2023 तक ज़ोन के लिए राजस्व संग्रह 11,952 करोड़ रुपये है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के लिए यह 10,711 करोड़ रुपये था, जिससे राजस्व में 11.58% की वृद्धि दर्ज की गई।

व्यापार की मात्रा- यह अंचल बड़ी मात्रा में आयात और निर्यात की सुविधा प्रदान करता है। आयात पक्ष में, 1.45 लाख करोड़ रुपये के आयात मूल्य के 2.45 लाख बिल ऑफ एंट्री और निर्यात पर, 0.56 लाख करोड़ रुपये के निर्यात मूल्य के 1.90 लाख शिपिंग बिल चालू वर्ष के दौरान अगस्त 2023 तक संसाधित किए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूरियर टर्मिनल पर, 3.95 लाख रुपये की शुल्क वाली आयात खेप। चालू वर्ष के दौरान अगस्त 2023 तक 543 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर यात्री सुविधा- केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, बेंगलूरु देश के महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक है, सीमा शुल्क इस हवाई अड्डे के माध्यम से आने और बाहर निकलने वाले यात्रियों की सुविधा में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चालू वर्ष के दौरान अगस्त 2023 तक, 9.18 लाख अंतर्राष्ट्रीय यात्री हवाई अड्डे से आये हैं और 9.47 लाख यात्री प्रस्थान कर चुके हैं। ज़ोन में एक अन्य हवाई अड्डा मंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जिसने चालू वर्ष के अगस्त 2023 तक की अवधि के दौरान 1.81 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का आगमन और 1.21 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का प्रस्थान दर्ज किया है। इनमें से लगभग 98-99% यात्रियों को ग्रीन चैनल के माध्यम से सुविधा प्रदान की जाती है। जबकि यात्री सुविधा एक महत्वपूर्ण कार्य है, अधिकारी सतर्क हैं और यात्री प्रोफाइलिंग और साझा खुफिया जानकारी के आधार पर, प्रतिबंधित सामग्री की तस्करी का प्रयास करते समय पकड़े गए यात्रियों के खिलाफ नियमित रूप से मामले दर्ज किए जा रहे हैं। KIAL में T-2 के परिचालन के साथ, अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर सोने की जब्ती के मामले- तस्करी विरोधी मोर्चे पर, केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, बेंगलूरु में, वर्तमान वित्तीय वर्ष के अगस्त 2023 तक चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 17.32 करोड़ रुपये मूल्य के 28.71 किलोग्राम सोने की तस्करी के 57 मामले पकड़े गए हैं। मंगलूरु में इंटरनेशनल एयरपोर्ट, चालू वर्ष के अगस्त 2023 तक की अवधि के दौरान 6.23 करोड़ रुपये मूल्य के 10.46 किलोग्राम सोने की तस्करी के 19 मामलों का पता चला है।

केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, बेंगलूरु में जंगली जानवरों की जब्ती - हाल ही में, वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 और सीआईटीईएस के उल्लंघन के लिए वन्य जीवन तस्करी के दो मामले दर्ज किए गए थे। 21.08.2023 को, सीमा शुल्क अधिकारियों ने उड़ान संख्या FD-137, जो बैंकॉक से आई थी, बैंकॉक से आये एक यात्री को पकड़ लिया। यात्री अपने दो ट्रॉली बैग में छिपाकर अजगर, गिरगिट, इगुआना, कछुए, मगरमच्छ और एक बच्चे कंगारू सहित 234 जंगली जानवरों की तस्करी करने का प्रयास कर रहा था। इसके अलावा, 06.09.2023 को, 78 जंगली जानवरों की तस्करी का प्रयास किया गया, जिसमें पचपन (55) बॉल पाइथॉन (अलग-अलग रंग के रूप) और सत्रह (17) किंग कोबरा, जीवित पाए गए और छह (06) कैपुचिन बंदर, मृत पाए गए। इस तस्करी को बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के सीमा शुल्क अधिकारियों ने विफल कर दिया। उपरोक्त दोनों मामलों में, जानवरों को सीमा शुल्क अधिनियम के तहत जब्त कर लिया गया और जीवित जानवरों को थाईलैंड भेज दिया गया।

बेंगलूरु एयर कस्टम्स ने वन्य जीवन की तस्करी का मामला दर्ज किया। अजगर, गिरगिट, इगुआना, कछुए, मगरमच्छ और एक बच्चे कंगारू सहित 234 जंगली जानवर 2 ट्रॉली बैग में छिपाए पाए गए।

ACHIEVEMENTS OF THE ZONE DURING THE QUARTER

(October-2022 to December-2022)

On 30.09.2022, the Customs officers at MIA, Mangaluru seized 335.00 gms of 24 carat purity gold valued at Rs. 17,06,480/- from Kasaragod, Karnataka, arrived from Dubai. The gold was smuggled through concealment in the past form mixed with solid gum inside the innerwear (Brief & vest) worn by the pax.

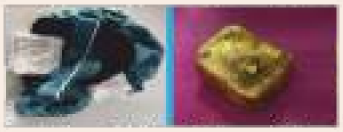

AIU, KIA - Bengaluru intercepted 1 passenger on 14.10.2022 who arrived from Abu Dhabi via flight Ey-216 and attempted to smuggle gold in paste form concealing in underwear. Gold totally weighing 866.69 gms valued at Rs. 44,37,453/- was seized.

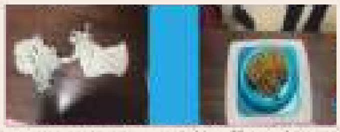

One passenger was intercepted by officers of AIU, KIA Bengaluru who attempted to carry foreign origin smuggled crude gold chains, arrived at Bengaluru from Mumbai on 17.10.2022. 5 crude gold chains totally weighing 908.91 gms valued at Rs. 46,74,332/- was seized.

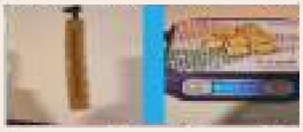

DRI BZU intercepted a pax flying from Mumbai to Bengaluru on 01.10.2022 and recovered 7 crude gold cut pieces of foreign origin weighing 409 gms concealed under the seat of the flight. The gold has been seized by AIU, KIA-Bengaluru.

DRI BZU intercepted a passenger, who was about to travel from Bengaluru to Bangkok vide flight 6E-075 dated 03.10.2022 and attempted to smuggle foreign currency amounting to USD 32,509 concealed in in hand bag and checked-in baggages. Case booked by AIU, KIA, Bengaluru.

AIU, KIA-Bengaluru intercepted 1 passenger, who arrived from Bahrain on 02.11.2022. Two gold round pieces concealed in wrist watches & two rhodium coated gold wires concealed in trolley bag, totally weighing 298.83 gms valued at Rs. 15,53,916/- was seized.

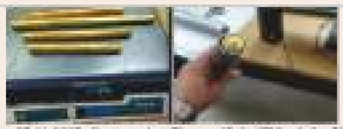

on 05.11.2022, Customs Intelligence Unit (CIU) of the Air Cargo Commissionerate, Bengaluru intercepted a cargo consignment originating from Dubai. On investigation it was noticed that the credentials of importer & exporter appeared suspicious. The declared goods, "Treadmill 5 HP" was thereafter scanned which confirmed the presence of contraband. The machine was opened & Gold bars weighing 4.72 Kg, 99.9% purity valued at Rs. 2.45 Crore were retrieved.

Customs Intelligence Unit (CIU) of the Aircargo commissionerate, Bengaluru intercepted a courier consignment originating from Belgium on 03.10.2022, after examination of the consignment 3,4-methylenedioxy-methamphetamine (MDMA), also referred to as the Ecstasy Pills were recovered totaling 5000 and weighing 2.284kg valued at 76.2 lakh (apx) in the international market.

on 14.10.2022 AIU, KIA intercepted two PAX who arrived from Dubai and attempted to smuggle rhodium coated gold concealed in pants pant hooks, buttons in baby chits & cap of tiger balm bottle. Total gold recovered weighing 244.5 gms valued at Rs. 12,57,463/- was seized.

Customs Act

60

गौरवशाली

वर्ष

सेवार्थ रक्षार्थ

BENGALURU & MANGALURU

CUSTOMS

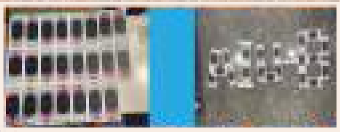

On 22.10.2022 AIU, KIA-Bengaluru, intercepted a passenger who arrived from Bangkok via TG 325 and attempted to smuggle I-Phone by concealing inside the hand baggage. 23 I-Phone Pro Max, valued at Rs. 34,47,700/- were seized.

The Officers of Bengaluru Air Customs intercepted two pax who wereattempting to smuggle 205 Apple I-Phone 12 Pro/Pro Max valued at about Rs. 2.74 crores. The phones were seized under the provisions of the customs Act & the two pax were arrested.

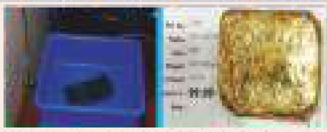

One pax was intercepted who arrived at Bengaluru on 12.11.2022 in a flight having foreign origin. Customs officers recovered concealed gold in paste form. The gold patti of 823.540 gms extracted from the smuggled gold paste was seized by customs officers.

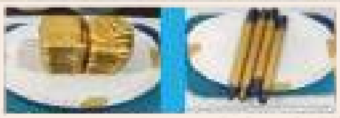

2 passengers were intercepted who arrived at Bengaluru on 16.11.2022 in a flight having foreign origin. Customs officers recovered concealed gold in the form of fifteen gold biscuits, two gold cut pieces & four gold sticks. The smuggled gold totally weighing 2398 gms was seized and one pax was arrested.

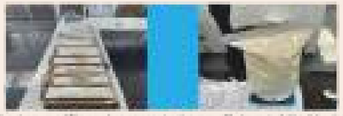

Customs officers intercepted a pax flying Addis Ababa to Bengaluru on 10.11.2022 & recovered 1926 gms of "Heroin" concealed inside the inner layers of the carton box carried as check-in baggage. Concealed Heroin was seized under the NDPS act 1985. The pax was arrested and produced before the Hon'ble NDPS Magistrate who remanded the pax to judicial custody.

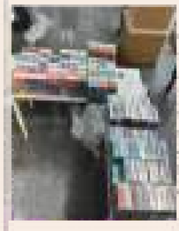

Customs officers intercepted two pax on 25.11.2022 who arrived from Dubai to Bengaluru, pax attempted to smuggle 1980 e-cigarette sticks valued at Rs. 41,58,000/-. The goods have been seized under customs Act, 1962.

Customs officers at KIAL, Bengaluru nabbed a smuggler in the wee hours of 29.11.2022. The passenger arriving at KIA from Dubai via flight no EK 568 was attempting to smuggle gold concealed in an iron box inside the checked in bag. 2 pieces of boot shaped gold bars totally weighing 3015.13 gms estimated to be worth Rs. 1.60 crores was extracted from the box with the help of a metal cutter which was seized.

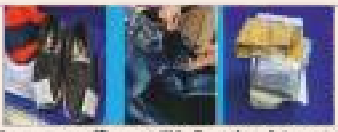

The customs officers at KIA, Bengaluru intercepted one passenger who arrived from Dubai on 11.12.2022 and attempted to smuggle gold paste packed in four packets wrapped with insulated tape which was concealed in trouser's waistline, undergarment and pair of shoes worn by the passenger. Gold patti extracted from the semi solid gold paste, weighing 687.90 gms valued at Rs. 35,42,685/- was seized.

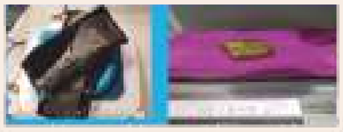

Customs officers intercepted one passenger who attempted to smuggle gold paste concealed in his underwear via flight EK-568 arriving at Bengaluru from Dubai on 23.12.2022. Gold patti weighing 1014 gms valued at Rs. 53,22,850 was retrieved from gold paste.

Customs officers intercepted 1 passenger who attempted to smuggle gold paste concealed in his underwear, arrived via flight EK-566 at Bengaluru from Dubai on 29.12.2022. Gold Bar weighing 210.35 gms valued at Rs.11,18,103/- was retrieved from gold past.

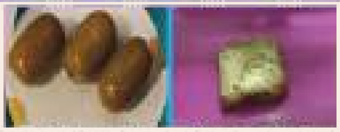

Customs officers intercepted one passenger who attempted to smuggle gold paste by way of rectum concealment, arrived via flight 6E-44 at Bengaluru from Maldives on 30.12.2022. Gold Bar weighing 552.21 gms valued at Rs. 28,73,554/- was retrieved from gold paste.

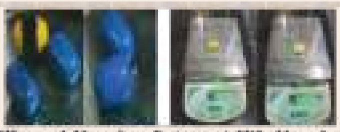

Officers of Mangaluru Customs at MIA, Mangaluru seized 752.00 gms of 24 carat purity gold, valued at Rs. 38,26,100/- from two male passenger hailing from Bhatkal, Karnataka, who arrived from Muscat by Air India Express flight no. IX818 on 29.09.2022 at around 19.40 hrs. The gold packed in five oval shaped packets was concealed inside body by two passengers. Separate offence cases have been registered.

On 06.10.2022, the Customs officers at MIA, Mangaluru seized 741.06 gms of 24 carat purity gold valued at Rs. 38,53,200/- from a male passenger hailing from kasaragod, who arrived from Dubai by Air India Express flight IX384. The gold was in the form of powder mixed with solid gum secreted in his rectum by the passenger.

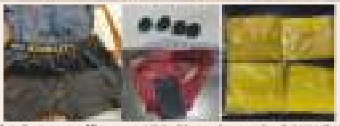

The Customs officers at MIA, Mangaluru seized 3124.540 gms of 24 carat purity gold valued at Rs. 1,59,46,083/- during 05.10.2022 to 21.10.2022 from five male passengers arriving from Dubai. The gold was smuggled through different modus operandi such as concealment in the paste/powder form mixed with solid gum inside jeans trousers/underwears worn by the pax, in rectum and through towels dipped in to some solution containing gold.

The customs officers at MIA, Mangaluru seized 7,692.88 gms of 24 carat purity gold valued at Rs. 4,01,18,290/- during 01.11.2022 to 30.11.2022 from ten male passengers arriving from Dubai. The gold was smuggled through different modus operandi such as concealment in LED bulb, wrist watch, keypad mobile phone, beading of trolley bags, silver coated plates in the motor of cappuccino maker, in the paste/powder form inside the layers of carton box, double layered vest (banian), the underwear and socks worn by the pax and in rectum.

ACHIEVEMENTS OF THE ZONE DURING THE QUARTER
(January-2023 to March-2023)

Customs Act 60 गौरवशाली वर्ष सेवार्थ रक्षार्थ

BENGALURU & MANGALURU CUSTOMS

Based on credible information received, customs officers intercepted a pax flying from Guinea to Bengaluru via Dubai from EK 566 on 14.01.2023 and recovered 686 gms of "Cocaine" concealed inside body in the form of capsules. Concealed Cocaine was seized under the NDPS Act, 1985. The pax was arrested and produced before the Hon'ble NDPS Magistrate who remanded the pax in Judicial Custody. Further investigation is in progress.

One pax arriving from Bangkok by flight No. TG-325 who attempted to smuggle gold paste concealed inside unusual layer of jeans, was intercepted on 02.02.2023 and gold patti of 525.50 grams extracted from the foreign origin gold paste totally valued at Rs.30,21,625/- was seized. Further investigation is in progress.

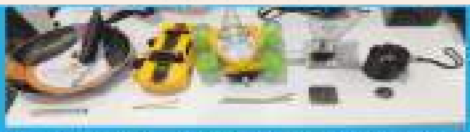

One pax arriving from Dubai by flight No. 6E 1102, who attempted to smuggle one crude gold coin concealed inside speaker, one cylindrical rod shape piece inside non-stick pan, one square shape piece inside electric incense burner and four rod shape pieces inside the two toy cars, was intercepted on 07.01.2023 and 7 numbers of gold pieces of foreign origin totally weighing 349.79 Grams valued at Rs.19,09,393/- were seized. Further investigation is in progress.

Officers of DRI, BZU intercepted two passengers, who were about to board a Abu Dhabi based flight to smuggle foreign currency 24000 USD, 3570 SAR and 2730 UAE Dirhams. The said foreign currency valued at Rs.20,75,580/- were seized by Customs officers at Kempegowda International Airport, Bengaluru.

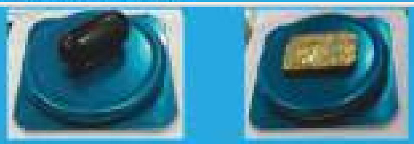

Based on credible information received, customs officers intercepted one lady passenger, who arrived from Bangkok on 15.02.2023 and attempted to smuggle gold paste which was concealed in rectum by the passenger. Gold patti extracted from the semi solid gold paste, weighing 314.47 grams valued at Rs. 17,78,770/- was seized.

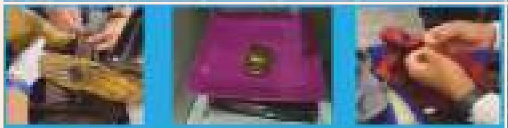

Based on profiling, customs officers intercepted passenger, who arrived from Bahrain on 04.02.2023 and attempted to smuggle semi solid gold paste in very thin layer between the 2 layers of pants and innerwear worn by the passenger. Gold patti extracted from the semi solid gold paste, weighing 238.40 grams valued at Rs. 13,46,960/- was seized. Further investigation is in progress.

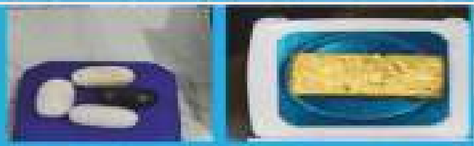

On the basis of profiling and body search, Customs officers intercepted one passenger who attempted to smuggle gold paste by way of rectum concealment via flight GF-280 arriving at Bengaluru from Bahrain on 08.03.2023. The gold bar (retrieved from gold paste) weighing 1171 gms valued at Rs. 65,03,656/- was seized by Customs officers.

On the basis of profiling, Customs officers intercepted one passenger who attempted to smuggle foreign origin gold cut pieces by way of concealment in slippers, arrived via flight 6E-476 at Bengaluru from Bangkok on 12.03.2023. Gold cut pieces weighing 1205.00 gms valued at Rs. 69,48,800/- were seized.

On the basis of profiling, Customs officers intercepted one passenger arrived from Dubai to Bengaluru via Muscat by flight WY-281. The passenger attempted to smuggle foreign origin crude gold which is found during personal search of the passenger. One crude gold chain and four crude gold bangles totally weighing 440.00 gms valued at Rs.25,00,780/- was seized. Further investigation is in progress.

Based on information from CISF during security check, officers of Bengaluru Customs intercepted three passengers travelling to Bangkok on 03.04.2023 and seized foreign currency (USD, Euro, Swiss Franc and Thai Baht) totally equivalent to INR 1,41,12,964/- Further investigation is in progress.

On the basis of profiling and frisking one passenger was intercepted by AIU, Bengaluru who attempted to smuggle 04 nos. of gold chains concealed in his hand baggage, arrived from Dubai to Bengaluru via flight EK 568 on 10.04.2023, totally weighing 415.00 gms valued at Rs. 24,96,455/- was seized. Further investigation is in progress.

Based on profiling, customs officers intercepted three Malaysian passengers, who arrived from Dubai by flight EK 568 on 09.04.2023 and attempted to smuggle gold paste which was concealed in specially designed pocket in undergarments by the passenger. 3 Gold bar extracted from the semi solid gold paste, weighing 2.28 Kg valued at Rs. 1.33 Crores was seized.

The customs officers at MIA seized 2977.500 grams gold valued at Rs.1,80,06,800/- during one week from eight male passengers arriving from Dubai and Abu Dhabi. The gold was smuggled through different modus operandi such as concealment in beading of trolley bag, in paste form inside the double layered vest (banyan) worn by the pax, in oral cavity and in Rectum. The officers also seized Cigarettes and e-cigarette liquids [illegible] valued at Rs.2,20,880/- from one male passenger arriving from Dubai, who attempted to smuggle the same by way of concealment in his checked-in baggage. Further investigation is in progress.

The Customs Officers at MIA seized 1625.000 grams gold valued at Rs 91,35,850/- during 01.02.2023 to 15.02.2023 from five male passengers arrived from Dubai and Bahrain. The gold was smuggled through different modus operandi such as concealment in the handle of trolley bag, in Rectum, in oral cavity and in the form of thin paste layer pasted inside the carton box. The officers also seized foreign currency notes worth 5100 US Dollar & 2420 Pound Sterling totally equivalent to Indian Rs.6,54,750/- from one male passenger while attempting to smuggle out of India by Air India Express Flight No.IX 183 to Dubai. Further investigation is in progress.

Customs officers,SIIB ICD Whitefield,on the basis of profiling, intercepted a container imported from Malaysia declared as having furnitures. Approx 10MT poppy seeds(Khas-Khas) worth Rs.1.82cr was concealed in the container. One person involved has been arrested.

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के 60 वर्ष

दिनांक 09.12.2022 को बेंगलूरु नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय द्वारा सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के 60 वर्षगांठ मनाया गया। दीप प्रज्ज्वलन तथा प्रार्थना गीत के साथ कार्यक्रम का श्रीगणेश हुआ। तदुपरांत श्रीमती रंजना झा, प्रधान मुख्य आयुक्त, सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल ने उद्‌घाटन भाषण दिया।

श्रीमती रंजना झा, प्रधान मुख्य आयुक्त, सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। श्री आई.एस.एन. प्रसाद, अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग, कर्नाटक सरकार, मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्रीमती चैताली पन्मई, प्रधान मुख्य आयुक्त, आयकर, कर्नाटक तथा गोवा, विशिष्ट अतिथि में रूप में पधारे।

श्री एस. राजेन्द्र कुमार, मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल, तथा भारतीय डाक सेवा, कर्नाटक सर्किल तथा श्री आई.एस.एन. प्रसाद सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर 'यक्षडेगुला' (लोक नृत्य) का प्रदर्शन किया गया। श्रीमती रंजना झा, प्रधान मुख्य आयुक्त, सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल ने कलाकारों का अभिनन्दन किया। कार्यक्रम के दौरान ही सीमा शुल्क अधिनियम के 60 वर्ष पूर्ण होने पर 'सीमा शुल्क अधिनियम लोगो' का लॉन्च किया गया। डॉ.के. बालमुरुगन, आई.आर.एस., आयुक्त, नगर सीमा शुल्क, बेंगलूरु के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह संपन्न हुआ।

ईश-दर्शन की अभिलाषा

गीता में ही बचपन मेरा बीता,
राम-कृष्ण की गाथाओं ने मन मेरा जीता।
ईश्वर कैसे दिखते होंगे,
ईश्वर वैसे दिखते होंगे।
तरह-तरह की जिज्ञासा में बालमन खो जाता,
ईश्वर के साक्षात दर्शन की कल्पना मात्र से मन पुलकित हो जाता।
ईश्वर मिलते तो मांगता बस एक ही वर,
की पापी-दुराचारी के मन में भर दूँ आपका डर।
बीता बचपन, आया लड़कपन,
स्वभाव में छाया अल्हड़पन।
हर घटनाक्रम में ढूंढने लगा अब कारण और परिणाम,
मन में तब ईश्वर के अस्तित्व पर हीं लगने लगा पूर्णविराम।
चलचित्रों में जब भी देखता ईश्वर का प्रतिवाद,
मन को खूब भाता अभिनेता का वो संवाद।

पीछे छूट गया राम-कृष्ण का दर्शन,
मन को भाने लगा अपराधियों का चरित्र-वर्णन।
जब विचार हीं हो गए थे दूषित,
आत्मा भी रहने लगी दिन-रात कलुषित।
फिर एक दिन ऐसा आया, सहसा मन में बिजली कौंधा,
आत्ममंथन की लहरों से उग आया, प्रसुप्त सदविचारों का पौधा।
ईश्वर की चरणों में जब लिया मैं शरण,
दुख-संताप का होने लगा स्वतः हरण।
जीवन के प्रति दृष्टिकोण में आया जब बदलाव,
मिटने लगे मन के सारे घाव और दुराव।
दीन-दुखी के काम आ सकूँ, दाता दे दो इतनी शक्ति,
अहंकार राग-भय से परे करता रहूँ तुम्हारी भक्ति,
आशा-निराशा से परे हो, मेरी जीवन की परिभाषा,
ईश-दर्शन की शेष रह गयी है एक मात्र अभिलाषा।

कृत- मित्रेश्वर झा
'असहिष्णु'
अधीक्षक, नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय
बेंगलूरु

तीन पीढ़ियां

कम्युनिटी बन रहे ऑनलाइन
ऑफलाइन समाज खो रहा है।
बाप करता है वीकेंड पार्टी
बच्चा घर में रो रहा है।

बुजुर्गों का ज्ञान बोरिंग हो गया
गूगल सब बताने लगा है।
सब कुछ अब फ़ोन में है,
मेमोरी वीक होने लगा है।

कहाँ जा रहा है समाज?
भावना क्षणभंगुर हो गई है।
जगाओ ज़रा चेतना को,
कुम्भकर्ण सी सो गई है।

जुबान, कान, दिमाग
रख दिया कहीं ताख पर।
बात होती नही इंसानों से
फ़ोन रहता हरदम आँख पर।

पर्व त्योहारों में घर पर
आजकल सन्नाटा घोर हो गया।
एक ही त्योहार मनाके हर साल
बेटा अब तो बोर हो गया।

आएगी एक दिन अक्ल ठिकाने
बेटा लगेगा हर पाप मिटाने।
भीख माँगेगा बीते दिनों की
परिवार संग लगेगा दिन बिताने।

कुमार सचिन
'कुमार'
निरीक्षक
मंगलूरु सीमा शुल्क एयरपोर्ट

योग

पद्मश्री बाबु
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय
बेंगलूरु

योग की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द, 'युज' (YUJ) से हुई है। इसका अर्थ है जुड़ना। यह सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना का संघ है। योग 5000 साल पुराना भारतीय दर्शनशास्त्र है। इसका सबसे पहले प्राचीन पवित्र पाठ-ऋग्वेद में उल्लेख किया गया।

हजारों सालों से भारतीय समाज में योग का अभ्यास किया आ रहा है। योग करने वाला व्यक्ति अलग-अलग क्रियाएँ करता है जिसे आसन कहते हैं। योग उन लोगों को लाभ देता है जो इसका नियमित रूप से अभ्यास करते हैं। योग में किए गए व्यायाम को 'आसन' कहा जाता है जो शरीर और मन की स्थिरता लाने में सक्षम हैं। महर्षि पतंजलि को आधुनिक योग के पिता के रूप में जाना जाता है। हालाँकि उन्होंने योग का आविष्कार नहीं किया क्योंकि यह पहले से ही विभिन्न रूपों में था। उन्होंने इसे प्रणाली में आत्मसात कर दिया। उन्होंने देखा कि किसी को भी अर्थपूर्ण तरीके से समझने के लिए यह काफी जटिल हो रहा है। इसलिए उन्होंने आत्मसात किया और सभी पहलुओं को एक निश्चित प्रारूप में शामिल किया जिसे योग सूत्र कहते हैं। योग अभ्यास करने के मुख्य लाभों में से एक यह है कि यह तनाव कम करने में मदद करता है। तनाव का होना इन दिनों एक आम बात है जिससे शरीर और मन पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। तनाव के कारण लोगों को सोते समय दर्द, गर्दन का दर्द, पीठ दर्द, सिरदर्द, तेजी से दिल का धड़कना, हथेलियों में पसीने आना, असंतोष, क्रोध, अनिद्रा और ध्यान केंद्रित करने में असमर्थता जैसी गंभीर समस्याएं पैदा होती हैं। समय गुज़रने के साथ इन प्रकार की समस्याओं का इलाज करने में योग वास्तव में प्रभावी है। यह एक व्यक्ति को ध्यान और साँस लेने के व्यायाम से तनाव कम करने में मदद करता है और एक व्यक्ति के मानसिक कल्याण में सुधार करता है। नियमित अभ्यास मानसिक स्पष्टता और शांति बनाता है जिससे मन को आराम मिलता है।

योग के लाभ : योग से होने वाले लाभ कुछ इस प्रकार है :

मन रहता है शांत: अगर आप योग करते है तो ये आपके मन और मानसिक रूप से अच्छा होता है। योग के जरिए आपकी मांसपेशियां सही प्रकार से काम करती है। इसके माध्यम से आप तनाव से मुक्त रहते है इसके अलावा यदि आप छात्र है तो योग आपके लिए वरदान है पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने में मददगार साबित होता है।

तन के साथ मन का व्यायाम: योग के जरिए आप अपने शरीर को भी तंदुरुस्त रख सकते हैं, साथ ही मन को साफ़ और मन में आते बुरे ख्यालों का इलाज़ भी सिर्फ योग करने से ठीक हो सकते हैं। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मष्तिष्क भी योग के अभ्यास से पूरा किया जा सकता है।

योग से होंगे निरोग: अगर आप निरंतर योग करते हैं तो आप हमेशा निरोग रहेंगे। जी हाँ योग के जरिए आपका शरीर रोगों से लड़ने की शक्ति देता है और योग की वजह से आप हमेशा निरोग रहते हैं। यदि आप किसी रोग से परेशान है तो योग के निरंतर अभ्यास के बाद उस बीमारी को हमेशा के लिए खत्म कर सकते हैं।

वजन होगा कंट्रोल: योग आपकी मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर को तंदुरुस्त बनाता है, तो वहीं दूसरी ओर योग से शरीर से फैट को भी कम किया जा सकता है।

ब्लड शुगर होगा कंट्रोल: योग से आप अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं और बढ़े हुए ब्लड शुगर लेवल को घटाता है। डायबिटीज रोगियों के लिए योग बेहद फायदेमंद है।

योग के प्रकार: योग के 4 प्रमुख प्रकार या योग के चार रास्ते है:

राज योग: राज का अर्थ शाही होता है और योग की इस शाखा का सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण अंग है ध्यान। इस योग के आठ अंग है, जिस कारण से पतंजलि ने इसका नाम रखा है अष्टांग योग। यह आठ योग इस प्रकार है, यम (शपथ लेना), नियम (आत्म अनुशासन), आसन, प्राणायम, प्रत्याहार, धारण (एकाग्रता), ध्यान (मेडिटेशन) और समाधि (अंतिम मुक्ति)।

कर्म योग: अगली शाखा कर्म योग या सेवा का मार्ग है और हम में से कोई भी इस मार्ग से नहीं बच सकता है। इस बारे में जागरूक होने से हम वर्तमान को अच्छा भविष्य बनाने का एक रास्ता बना सकते है, जो हमें नकारात्मकता और स्वार्थ से बाध्य होने से मुक्त करना है।

भक्ति योग: भक्ति योग भक्ति के मार्ग का वर्णन करता है। सभी के लिए सृष्टि में परमात्मा को देखकर, भक्ति योग भावनाओं को नियंत्रित करने का एक सकारात्मक तरीक़ा है।

ज्ञान योग: अगर हम भक्ति को मन का योग मानते है, तो ज्ञान योग बुद्धि का योग है, ऋषि या विदान का मार्ग है। इस पथ पर चलने के लिए योग के ग्रंथो के अध्ययन के माध्यम से बुद्धि के विकास की आवश्यकता होती है।

योग सही तरह से जीने का विज्ञान है और इस लिए इसे दैनिक जीवन में शामिल किया जाना चाहिए। यह हमारे जीवन से जुड़े भौतिक, मानसिक, भावनात्मक, आत्मिक और आध्यात्मिक, आदि सभी पहलुओं पर काम करता है| हर वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें योग की महत्वता को दर्शाता है। योग से मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से शरीर स्वस्थ रहता है|

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल, कर्नाटक में आयोजित राजभाषा सम्मेलन एवं हिंदी दिवस / पखवाड़ा समापन समारोह पर एक रिपोर्ट

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति के निदेश के अनुसरण में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के कनार्टक में स्थित सभी आयुक्तालयों के लिए दिनांक 29-09-2022 को सायं 04:00 बजे से 05:00 बजे तक राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। तदुपरांत 05:00 बजे से 06:00 बजे तक हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह संयुक्त रूप से मनाया गया था। केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल की प्रधान मुख्य आयुक्त सुश्री रंजना झा एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त श्रीमती तेजस्विनी पी.कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु की सुश्री तनुश्री चंद्रा सी. के प्रार्थना गीता के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। केंद्रीय कर, बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय के आयुक्त श्री प्रदीप कुमार सुमन ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। तदुपरांत राजभाषा सम्मेलन के हिस्से के रूप में चन्नपट्टणा जी.एफ.सी.सी. के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.प्रभु उपासे जी ने अपना विशेष भाषण में हिंदी भाषा का ऐतिहासिक और वर्तमान महत्व एवं राजभाषा हिंदी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। राजभाषा सम्मेलन के विविध कारोबार के निर्धारिती भी उपस्थित थें। आगे, हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह के विशेष अंग के रूप में पहले माननीय गृह मंत्री

महोदय जी का संदेश पठन सीमा शुल्क, मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु अंचल के उपायुक्त श्री समीर सक्सेना ने किया। तदुपरांत केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की गृह पत्रिका 'बृंदावन' का ई विमोचन किया गया। पत्रिका का विमोचन केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल की प्रधान मुख्य आयुक्त सुश्री रंजना झा एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त श्रीमती तेजस्विनी पी.कुमार के करकमलों से किया गया। तत्पश्चात, केंद्रीय कर, प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय की वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्रीमती पद्मश्री बाबु ने राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत किया। तदुपरांत केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल की प्रधान मुख्य आयुक्त सुश्री रंजना एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त श्रीमती तेजस्विनी पी.कुमार ने सभी विजेताओं को चल वैजयंती पुरस्कार का वितरण किया। फिर केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क के प्रधान आयुक्त एवं आयुक्त के करकमलों द्वारा प्रोत्साहन योजना एवं हिंदी प्रतियोगिओं के विजेताओं को प्रमाण पत्रों से नवाज़ा गया। आगे, सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त श्रीमती तेजस्विनी पी.कुमार जी ने अपने मुख्य अतिथि भाषण में राजभाषा उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए सभी अधिकारियों को

प्रयास करने हेतु कहा। फिर, अध्यक्षीय भाषण में केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल की प्रधान मुख्य आयुक्त सुश्री रंजना झा जी ने उपस्थित दर्शकगण को आशीर्वाद देते हुए अनुदेश दिया है कि प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए राजभाषा काम में बढ़ोत्तरी लाने के लिए कहा। सीमा शुल्क, मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु में कार्यरत वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्रीमती एन.उषा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंच का संचालन केंद्रीय कर, प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय, बेंगलूरु के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री वाई.सुब्रह्मण्यम द्वारा किया गया।

केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल, द्वारा हिंदी दिवस के दौरान आयोजित किए गए हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताएं 2022 एक झलक

हिंदी दिवस समारोह 2022

मिष्ठान वितरण : दिनांक 24 जून 2022 राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी अनुदेश के अनुसार हिंदी पखवाड़ा सूरत में आयोजित हिंदी दिवस के पश्चात किया जाना चाहिए । इस दिशा में बेंगलूरु स्थित केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क भवनों में एक अनोखी पहल की गई। इस दिशा में बेंगलूरु स्थित सभी भवनों में हिंदी दिवस के दिन मिष्ठान का वितरण किया गया।

संयुक्त हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित हिंदी प्रतियोगिता

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-2), बेंगलूरु के तत्वावधान में केंद्रीय कर, प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय द्वारा दिनांक 07.10.2022 को राजभाषा लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

हिंदी कार्यशाला

दिनांक 07.12.2022 को नासीन, बेंगलूरु के तत्वावधान में केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के समूचे कर्नाटक में कार्यरत निरीक्षकों के लिए केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल द्वारा बेबिनॉर के माध्यम से ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन नासीन, बेंगलूरु के अपर निदेशक श्री डॉ. सुजीतकुमार पी. सोमपूर ने किया। पूर्वाह्न के दोनों सत्र में एच.ए.एल., बेंगलूरु के सेवानिवृत्त उपमहा प्रबंधक डॉ.शंकर प्रसाद ने "राजभाषा नीति" पर प्रकाश डाला। तथा अपराह्न के दोनों सत्र में डी.आर.डी.ओ., बेंगलूरु के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी डॉ.जी.आर. चौधरी ने "टिप्पण एवं आलेखन" पर व्याख्यान दिया।

दिनांक 07.02.2023 को नासीन, बेंगलूरु के तत्वावधान में केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के समूचे कर्नाटक में कार्यरत प्रशासनिक अधिकारियों एवं आह्रण एवं संवितरण अधिकारियों के लिए सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल द्वारा बेबिनॉर के माध्यम से ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन नासीन, बेंगलूरु के अपर निदेशक डॉ. सुजीतकुमार पी. सोमपूर ने किया। पूर्वाह्न के दोनों सत्र में एन.ए.एल., बेंगलूरु के सेवानिवृत्त वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ.पी.एस.आर. मूर्ति ने "राजभाषा नीति" पर प्रकाश डाला। तथा अपराह्न के दोनों सत्र में डी.आर.डी.ओ., बेंगलूरु के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी डॉ.जी.आर. चौधरी ने " टिप्पण एवं आलेखन " पर व्याख्यान दिया।

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
क्योंकि कोशिशें कभी बेकार नहीं होतीं।।
मंज़िल तो मिल ही जाएगी चलता चल राही।
सीढ़ियाँ रास्तों की पैरोकार नहीं होतीं ।।
मुश्किलों को खेल समझ, जीवन को मैदान समझ।
हौसलों की उड़ान में पंख परवाज नहीं होती।।

रुकावटों की परीक्षा में हार नहीं मानते।
अव्वल आने से पहले क्या इम्तिहान नहीं होते।।
मेघ भी बरसेंगे और फसल भी कटेगी,
क्या खेतों के कभी खलिहान नहीं होते॥
जिंदगी से निराशा और शिकायत नहीं रखते।
क्योंकि,
किस्मत उनकी भी होती है जिनके हाथ नहीं होते॥

संजीव कटियार
अधीक्षक
हवाई अड्डा और एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स
सीमा शुल्क, बेंगलूरु

कुलदीप पाण्डेय
कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी
सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय
बेंगलूरु

ए जिंदगी रूक जा जरा, ठहर जा जरा,
तुझे किस बात की इतनी जल्दी है,
दो पल सुकून के, जी लेने दे
दो पल खुद को, खुद के साथ रह लेने दे
तुझे किस बात की इतनी जल्दी है

एक अरसा बीत गया, जब खुद को महसूस किया
बचपन की यादें, स्कूल का बस्ता
बारिश में भीगना, और मार पड़े तो जी भर के रोना
फिर मां के आंचल में, जन्नत का होना
बस यही तो था मेरा अपना एक कोना
ए जिंदगी रूक जा जरा, ठहर जा जरा
तुझे किस बात की इतनी जल्दी है।

नौकरी दिया, घर दिया, सब दिया
पर छीन लिया मेरा बचपन का वो कोना
अब ये घर है सूना, और सूना ही है मन का वो कोना
अब ना तो वो मार पड़ती है, ना ही होता है वो रोना
ए जिंदगी बस इसी बात का है अब ताउम्र रोना
ए जिंदगी रूक जा जरा, ठहर जा जरा
तुझे किस बात की इतनी जल्दी है।

कीमत

जल्दी करो बेटा, आपको स्कूल छोड़कर मुझे ऑफिस भी जाना है। अभी मुझे तैयार भी होना है। आया पापा, स्कूल बैग तैयार कर रहा हूँ। सुनते हो, कमरे के भीतर से सविता ने कहा कि आते समय दूध की डेयरी से दूध लेते आना।

ठीक है, लेते आऊंगा ऐसा कहकर रवि ने अपनी बाईक स्टार्ट की। बेटा भागते हुए आया और पापा से बोला की पापा आपने अपनी हेल्मेट क्यों नहीं पहनी। रवि ने बेटे को टोकते हुए कहा कि स्कूल पास ही हैं अभी पांच मिनट में तुमको स्कूल छोड़कर आता हूं। बेटे ने फिर से पापा की तरफ देखते हुए कहा कि प्लीज पापा आप अपनी हेल्मेट पहन कर बाईक चलाया करो। भीतर से सविता ने एक बार फिर आवाज लगाई की जल्दी करो, स्कूल के लिए देरी हो जायेगी। रवि ने अपने बेटे को बाईक पर आगे बैठाया और बिना हेल्मेट लगाए तेज स्पीड से स्कूल की ओर निकल गया।

आधे घंटे बाद, सविता के फोन पर रवि के मोबाइल फोन से एक कॉल आता है। सविता कि तुरंत फोन कॉल अटेंड कर कहती है, की आप अभी तक दूध की डेयरी से दूध लेकर नहीं आए। आपको ऑफिस के लिए देर हो जायेगी। तभी दूसरी ओर से आवाज आई कि वो सरकारी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड से एक एक्सीडेंटल व्यक्ति के पास में मिला है और उनकी हालत नाजुक है। एक पल ऐसा लगा जैसे सविता के पैरों तले से ज़मीन निकल गई । बड़ी मुश्किल से सविता, हॉस्पिटल पहुंची और रवि के बारे में पूछताछ की। डॉक्टर ने बताया कि रवि के सिर पर इंजरी आई है, वो सड़क पर अपनी बाईक से फिसल गए जिससे उनके सिर पर गहरी चोट आई है।

सविता को अपने बेटे की बात याद आने लगी, और उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया ।

सोचिए कि कीमत आपकी हेलमेट की ज्यादा है या आपके लिए भगवान द्वारा दिए गए

उस एक पल की जब आपको एक नसीहत छोटे से बालक से भी मिलती है।

कृपया जीवन अनमोल है इससे जीए अपनी सावधानी व अपनी जिम्मेदारी से।

ओम शिव राम
अधीक्षक
केंद्रीय कर, बेंगलूरु उत्तर पश्चिम
आयुक्तालय

धन का भविष्य

"कोई भी शक्ति उस विचार को नहीं रोक सकती जिसका समय आ गया हो।" - विक्टर ह्यूगो

ऐसी दुनिया जहां पारंपरिक बैंक खातों की तुलना में लोगों के पास अधिक सेल फोन हैं, डिजिटल मुद्रा निश्चित रूप से ऐसा ही एक विचार है। आग और पहिये के पश्चात धन का आविष्कार मानव जाति के सबसे महान आविष्कारों में से एक माना जाता है। तथ्य यह है कि मुद्रित कागज के कुछ टुकड़ों को भूमि, भोजन या फाइबर जैसे गहन आंतरिक मूल्य की किसी चीज़ के बदले बदला जा सकता है, यह दिमाग चकरा देने वाला है। हालाँकि पैसा, सभ्यता की शुरुआत से ही मौजूद है, यह अध्ययन करना दिलचस्प है कि 21वीं सदी में यह किस ओर जा रहा है।

आधुनिक वित्तीय प्रणाली एक केंद्रीय प्राधिकरण के अस्तित्व पर आधारित है जिसे सेंट्रल बैंक के नाम से जाना जाता है। लगभग हर देश में एक सेंट्रल बैंक, जैसे भारत में भारतीय रिजर्व बैंक, संयुक्त राज्य अमेरिका में फेडरल बैंक आदि है । इसके अलावा, एक बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) है जो सेंट्रल बैंकों के सेंट्रल बैंक के रूप में कार्य करता है। इन केंद्रीय प्राधिकारियों का कार्य पैसे की दुनिया में होने वाली हर चीज़ का निर्धारण करना है। यह एक उच्च केंद्रीकृत प्रणाली है जो यह तय करती है कि पैसे तक किसकी पहुंच है और किस कीमत पर है। लगातार बढ़ती आय असमानताएं, व्यापार सौदों का सम्मान करने में अमीर देशों का पाखंड और बहुत कुछ इस बात के चिह्नित संकेतक हैं कि इस प्रणाली ने हममें से अधिकांश को कैसे विफल कर दिया है। इसलिए, एक वैकल्पिक प्रणाली, अधिमानतः विकेंद्रीकरण, स्थापित करने की आवश्यकता स्पष्ट नहीं हो सकी। डिजिटल मुद्रा, नए युग की विकेंद्रीकृत वित्तीय प्रणाली स्थापित करने की दिशा में एक कदम है। यह एक व्यापक शब्द है जिसमें न केवल बिटकॉइन जैसी निजी क्रिप्टो मुद्राएं बल्कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) भी शामिल है। सीबीडीसी मूल रूप से सेंट्रल बैंक द्वारा जारी की गई एक फिएट मुद्रा है लेकिन केवल डिजिटल रूप में। इसे ऐसे समझें जैसे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रुपया मुद्रित किया जाता है लेकिन नोट छापने के बजाय आरबीआई केवल एक डिजिटल टोकन जारी करता है। सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्राओं के इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं क्योंकि यह वैश्विक मुद्रा आपूर्ति पर नियंत्रण बनाए रखने की उनकी एकमात्र उम्मीद है।

बीआईएस के एक शोध पत्र के अनुसार, दुनिया के 86% सेंट्रल बैंकों ने सीबीडीसी में रुचि दिखाई है। सेंट्रल बैंक ऑफ चाइना जैसे कुछ बैंकों ने पहले ही ई-चीनी युआन (ई-सीएनवाई) के रूप में अपना सीबीडीसी जारी कर दिया है। सीबीडीसी का सबसे अधिक विक्रय बिंदु यह है कि वे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देते हैं। लेकिन साथ ही, उनमें निजता का अतिक्रमण करने की भी क्षमता होती है। भारत सरकार ने मानसून सत्र में "क्रिप्टोकरेंसी और आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विनियमन विधेयक 2021" पेश करने की योजना बनाई थी, लेकिन संसद के हंगामेदार सत्र ने इसे असंभव बना दिया। इस विधेयक के जरिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के 2018 फैसलो को दरकिनार करने की मांग की थी। इस फैसले में शीर्ष अदालत ने भारत में निजी क्रिप्टो मुद्राओं में किसी भी प्रकार के व्यापार पर प्रतिबंध लगाने के आरबीआई के फैसले को खारिज कर दिया था। इस विधेयक में भारत में सभी निजी क्रिप्टो मुद्राओं को अवैध घोषित करने की मांग की गई । इसमें ई-रुपी नाम से एक सीबीडीसी लाने का प्रस्ताव रखा गया। इससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलता, कर चोरी को रोका जाता, काले धन का प्रवाह बाधित होता और मुद्रा बाजार के बारे में आंकड़े अधिक यथार्थवादी बनते। एक बड़ी छाया (केवल नकदी) अर्थव्यवस्था वाले देश में अंतिम बिंदु सबसे अधिक महत्व रखता है। क्योंकि मौद्रिक नीतियां उतनी ही प्रभावी होती हैं जितने आंकड़े पर वे आधारित होती हैं। इस प्रकार, सीबीडीसी भारत में एक स्वागत योग्य कदम है। लेकिन इसका एक वैकल्पिक पक्ष भी है।

यदि भारत में सभी निजी क्रिप्टो मुद्राओं पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, तो यह उन्हें अवैध व्यापार और डार्क वेब के क्षेत्र में धकेल देगा। इससे न केवल भारत में साइबर अपराध बढ़ेंगे बल्कि भविष्य की इस मुद्रा में भारत पिछड़ जाएगा। दूसरा, यदि सरकार सीबीडीसी लाती है - तो हम इसे टियर 2 और टियर 3 शहरों में रहने वाले भारतीयों विशेषकर युवा जनसांख्यिकी के बाहर के लोगों को कैसे सिखाएंगे । तीसरा, जारी किए गए सीबीडीसी की मात्रा क्या होगी। आज मुद्रा की आपूर्ति और मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए भौतिक रुपये के नोट छापे जाते हैं। इस डिजिटल मुद्रा को 'ढालते' समय किन मापदंडों को ध्यान में रखा जाएगा? प्रचलन में दो प्रकार की फिएट मुद्रा के साथ मौद्रिक नीति कैसे तय की जाएगी? चौथा- हम सीबीडीसी के रूप में लोगों की जीवन भर की बचत को रैंसमवेयर हमलों से कैसे सुरक्षित रखेंगे? क्या एक समाज के रूप में हम तकनीकी रूप से इतने सुसज्जित और शिक्षित हैं कि इस प्रकार बढने वाले साइबर हमलों की बाढ़ से निपटने के लिए सक्षम हैं?

वैश्विक वित्तीय व्यवस्था आज उसी चौराहे पर खड़ी है जैसी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद थी। 1945 के ब्रेटनवुड्स सम्मेलन के दौरान भारत बहुत महत्वहीन था लेकिन अब स्थिति बदल गई है। डॉलर के प्रभुत्व में गिरावट और चीनी इरादों पर हर तरफ सवाल उठने के साथ-साथ भारत के लिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था। लेकिन क्या हम कार्य करने के लिए पर्याप्त रूप से बुद्धिमान, इच्छुक और तैयार हैं? सवाल तो यही है?

विवेक सहरावत
निरीक्षक, केंद्रीय कर
बेंगलूरु उत्तर पश्चिम आयुक्तालय

आशा

एक चेहरा या कहे तो एक रूह जो हर पल
अपनी आबरू की उड़ीक में पपीहा सा लगता है
एक मासूम जो कभी अपनी ही आशा को खोया हुआ पाता है;
एक अंजान सफ़र जिसकी मंजिल की सूद ही नहीं।
डूबती हुई निराशा, चीर कर रख देने वाला मन का सन्नाटा,
और पीछे भागते हुए कदम,
मन की अमनिशा और पथ पर सबके साथ एक अंजान और अडिग सफ़र....
और फिर अंजाने सफर की अंजानी रुकावटें,
अपने कर्तव्यो से पीछे भागते कदम.......
कैसे और क्यूँ?
अंजाने सफर की अंजानी मंजिल मिलने की आशा
या फिर जोश के साथ उसकी तरफ बढ़ते कदम..

दिवाकर कुमार मिश्रा
आशुलिपिक ग्रेड-।
केंद्रीय कर, लेखापरीक्षा-॥ आयुक्तालय, बेंगलूरु

मैं कविता हूँ।

परमात्म की आवाज़ हूँ, मैं ओउम हूँ।
प्रकाश का अस्तित्व हूँ, तमस का मैं विलोम हूँ।
देवी की वीणा के सुरों से निकली प्रेम की सरिता हूँ
मैं कविता हूँ।

असत से प्रकट होते सत्य का सार हूँ।
छलनी हुए अंतस की चीखें हज़ार हूँ।
मैं शब्द हूँ मैं नाद हूँ, मैं ब्रम्ह का श्रृंगार हूँ।
जब प्राण का सृजन करूँ तब सविता हूँ
जब भाव को ग्रहण करूँ तब
मैं कविता हूँ।

कवि की आत्मा का दर्पण हूँ।
भक्त के भाव का ईश को समर्पण हूँ।
दुखी हृदय की पुकार का कण कण हूँ।
रोटी प्रकृति की आत्मा हूँ, द्रोही पुरुष का मन हूँ।
पावन रुधिर हृदय का जब अश्रु बन छलके
उस स्याही से कागज़ पर उभरी भाव संहिता हूँ।
मैं कविता हूँ।

मैं भावना का आदि हूँ।
मैं कामना का अंत हूँ।
मैं थी सदा रहूँगी मैं ही शांति की सुगंध हूँ।
मैं भाल वीर का भी हूँ।
मैं गान धीर का भी हूँ।
हूँ अग्नि से रची गई, मैं द्रौपदी का चीर हूँ।
मैं पार्थ हूँ मैं कर्ण हूँ, मैं मुरलीधर की गीता हूँ।
मैं कविता हूँ।

प्रभा
कार्यकारी सहायक,
केंद्रीय कर लेखापरीक्षा-I
आयुक्तालय, बेंगलूरु

हिन्द पुष्प

आओ हमसब मिलकर एक पुष्पमाला बनाएँ,
हिंदी के धागे में सब प्रान्तों को सजाएँ।
भारत माता के चरणों पर हिंद् माला चड़ाए
हिंदी में सब काम करें, हिंदी को आगे बढ़ाये।
आओ हमसब मिलकर एक पुष्पमाला बनाएँ,
हिंदी के धागे में सब प्रान्तों को सजाएँ।
कहा करते थे गाँधी नेहरु , भाषा है ये अखंडता की,
कहा करते थे परमहंस भी, भाषा है ये नैतिकता की।
हिंदी को मजबूत बनाकर जन जागरण चलाये,
भाषा बने ये गौरवता की, एक कदम बढ़ाये।
आओ हमसब मिलकर एक पुष्पमाला बनाएँ,
हिंदी के धागे में सब प्रान्तों को सजाएँ।
जन जन की भाषा बने यह, कण कण में रचे बसे,
हम सब भारत वासीयों की एकता की डोर कसे।
क्षेत्रीयता को परे हटाकर हिंदी की धारा बहायें ,
राजभाषा है यह हमारी, इसे कर्म भाषा बनाएँ।
आओ हमसब मिलकर एक पुष्पमाला बनाएँ,
हिंदी के धागे में सब प्रान्तों को सजाएँ।
देव गणों की यह बोल रही, जननी सैकडो भाषओं की ,
क्या मराठी, क्या गुजराती, सम्पूर्ण भारत के अभिलाषाओं
की|
सवैधानिक कर्तव्यों को मानकर हिंदी का सम्मान बढ़ाएं ,
राष्ट्रहित हेतु राष्ट्र धर्म को हृदय से लगायें।
आओ हमसब मिलकर एक पुष्पमाला बनाएँ,
हिंदी के धागे में सब प्रान्तों को सजाएँ।
समृधि का यह सार बने, विकास का आधार बने,
हिन्दुस्तानी सभ्यता की, डोली का कहर बनें|
चहुओर परचम लहराकर विश्व का सिरमौर बनाएँ ,
हिंदी की ये डगर पकड़कर, दुनिया को हम रह दिखाएँ|
आओ हमसब मिलकर एक पुष्पमाला बनाएँ,
हिंदी के धागे में सब प्रान्तों को सजाएँ।

नितेश कुमार गुप्ता,
निरीक्षक, केंद्रीय कर, बेंगलूरु उत्तर आयुक्तालय

"तेय्यम"

केरल की महान कहानियों को अक्सर कला रूपों का उपयोग करके पुन: बताया जाता है। इस तरह से हमारी किंवदंतियां वास्तव में जीवन में आती हैं । तेय्यम एक प्रसिद्ध अनुष्ठान कला रूप है जो उत्तरी केरल में उत्पन्न हुआ था जो केरल की महान कहानियों को जीवंत करता है। इसमें नृत्य, माइम और संगीत शामिल हैं। यह प्राचीन आदिवासियों की मान्यताओं को बढ़ाता है जिन्होंने नायकों और अपने पूर्वजों की आत्माओं की पूजा को बहुत अधिक महत्व दिया। समारोहात्मक नृत्य के साथ चेंडा, एलाथलम, कुरुमकुजल और वीक्कुशेंडा जैसे संगीत वाद्ययंत्रों का समागम होता है। 400 से अधिक अलग-अलग तेय्यम हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना संगीत, शैली और कोरियोग्राफी / नृत्यरचना है। इनमें सबसे प्रमुख हैं रक्त चामुंडी, करी चामुंडी, मुचिलोट्टू भगवती, वायनाड कुलावेन, गुलिकन और पोट्टन।

प्रत्येक कलाकार महान शक्ति के साथ एक नायक का प्रतिनिधित्व करता है। कलाकार भारी मेकअप पहनते हैं और तेजतर्रार वेशभूषा पहनते हैं। हेडगियर और आभूषण वास्तव में राजसी हैं और देखनेवाले हर किसी को विस्मय और आश्चर्य की भावना से भर देते हैं। दिसंबर से अप्रैल तक, कण्णूर और कासरगोड के कई मंदिरों में तेय्यम प्रदर्शन होते हैं। उत्तरी मालाबार में करीवलूर, नीलेश्वरम, कुरुमाथुर, चेरुकुन्नू, एझोम और कुन्नाथुरपाडी, ऐसे स्थान हैं जहां हर साल तेय्यम (कलियाट्टम) किए जाते हैं और भारी भीड़ को आकर्षित करते हैं।

बिंदु नायर
प्रशासनिक अधिकारी
केंद्रीय कर, बेंगलूरु उत्तर आयुक्तालय

याद आया...

जब भी रखे हमने शौक उम्दा रखे
लगी ठोकर जब मुस्कुराना याद आया
लोग आए हमारी तबीयत के जानिब
सब को जब अपना कोई काम याद आया
आज फिर भीड़ है आज फिर अकेले हैं

जब आया ना याद से वो बहुत याद आया
नमकीन तासीर थी उन मुलाकातों की
शेरिन हुआ दर्द जब भी वो याद आया
कई रास्ते मगर उनकी कशिश और 'मन'
जब जब जीना चाहा ज़हर ही याद आया

मनीश "मन"
सहायक निदेशक,
सेस्टैट, बेंगलूरु

कि युद्ध का परिणाम क्या होगा

रक्त का अंबर होगा
अश्रुओं का समंदर होगा
दामिनि दमकती खड्ग होगी
रुंड-मुंड की माल अवनि पर पड़ी होगी
धड़ पर धड़ टूटेंगे
शीशों के अंबार लिए छूटेंगे
सिसकता हुआ सन्नाटा होगा
वीभत्स रुप का ज्ञाता होगा
तीरों पर तीर चलेंगे ऐसे
प्राणों को ले भाग पवन वेग जैसे
द्रवित केवल माँ का आँचल होगा
कि युद्ध का परिणाम क्या होगा ।

जब शौर्य का ढेर आमने-सामने होगा
विजय और वीरगति का चयन होगा
कायरों का फिर मर्दन होगा
युद्ध का जब उद्घोष होगा
श्वांस सहमी होगी जरूर किसी की
रक्त में वो उबाल होगा
किसी के लिए दया भाव नहीं
सबके लिए समान चांडाल होगा
ग्रसेगा समय सबको समान होकर
यश गाएगा उसका जो लड़ा वीर, वीरवान होकर
कौन जानता है अब इतिहास में उसका मान क्या होगा
कि युद्ध का परिणाम क्या होगा ।

कई रक्षासूत्र कटे होंगे
रणभूमि पर कबंध सजे होंगे
ईंगुर नवीन भू पर बिखरा होगा
वरमाला लिए वीर कहीं सोया होगा साहसी पुलकित
होगा प्राण देने को
आत्मा उत्सुक होगी व्यापक होने को
ज्वलनशील वो वातावरण होगा
पौरुष का नित्य उपवन होगा
और गदा भाँजती हुई काली होगी
रक्त-पीपासु, रक्त पीने को आतुर होगी
वीरांगनाओं का रुदन होगा
कि युद्ध का परिणाम क्या होगा ।।

जीवन मृत्यु-शैय्या पर होगा
कपालों में शोणित भरा होगा
विजय और वीरगति का समन्वय न रुका होगा
आकाश ठिठक कर नत-मस्तक खड़ा होगा
पृथ्वी बिछा आँचल पुत्रों का स्वागत करती होगी
बहती पवन बची श्वांसों से तिलक करती होगी
लेकिन वीरवंशों से, मातृ-भू की फिर रक्षा को
मृत्यु पर चढ़, तांडव कर, अरि-दल के भक्षण को
फिर से साहसियों का टोला उठ खड़ा होगा
कि युद्ध का यही परिणाम होगा ।

रजनीश शर्मा
आशुलिपिक ग्रेड-II
नगर सीमा शुल्क आयुक्तालय
बेंगलूरु
(वर्तमान में नई दिल्ली के पूर्व सैनिक कल्याण विभाग में कार्यरत हैं)

मिलन घड़ी

जब धरती का फिरना चुक जाए,
और पत्तों का हिलना रुक जाए
जब जुगनू सूरज से लड़ जाए,
और ऋतुओं का क्रम बिगड़ जाए
जब मछली जल को तरस उठे,
और चाँद से आँखे झुलस उठे
जब दवा, दर्द की यारी हो,
और शाख से पत्ता भारी हो
सारी उलझन को नींद सुला,
और मिलन घड़ी के दीप जला
कुछ कहे बिना कह जाना तुम,
बस जरा देर रह जाना तुम।

आशीष गुप्ता
निरीक्षक, केंद्रीय कर
लेखापरीक्षा-II आयुक्तालय,
बेंगलूरु

THE DAY AFTER

The future is uncertain,
But we hold on to hope for a better tomorrow.
If hope fades, we must remember
There will always be another chance to try again.

Perhaps today was an improvement on yesterday,
But we won't know until the next tomorrow arrives.

Memories of the past and dreams of the future,
These are the forces that drive us forward.
A new strength, a renewed courage,
Steer us towards a bright new day, a fresh new year.

The passing of time brings change,
Altering the course of our lives.
What was true yesterday may shift,
But change is the essence of growth.

Tomorrow may bring challenges,
But for those who persevere,
We can believe in a tomorrow that is better than yesterday.
Change is life, and in it, we find renewal.

Amitesh Bharat Singh
Commissioner
City Customs Bengaluru

MY FAVOURITE GAME

Badminton is a game that can be played by two or four players. It is my favorite game of all time. Since it has become a part of mine. I play it to feel fit and also have fun. I find a great pleasure in playing it with my family and friends.

Playing games like badminton is a great way of spending time with my family members. it is a beautifully crafted game. The simplicity is elegance in the game. All that the players some open space, two racket and a shuttlecock. Thought it is professionally indoors. We play it for recreation outdoors. It has made its place in Olympics. The B.W.F. or the Badminton World Federation is a governing body of the game worldwide. More and more people should participate outdoor games like badminton. Now let us talk about badminton; All of first, the rackets are so light and easy to hold. It is highly comfortable for kids. Secondly shots are not too complicated.

You just need to toss up the shuttle lightly which does not need much power. The history of the badminton; the game of badminton is originated in siam, China. It was brought England in 1870 and somewhat played like tennis. After it was played in Canada, badminton arrived in America and has been popular since 1929. In 1992 badminton has been an Olympic sport with bird speeds reaching 100 M.P.H.

Badminton court size: The badminton court is 13.4m long and 6.1m wide. For singles the court is only 5.18m wide. The lines are easily distinguishable and coloured in white or yellow.

The court has 2 halves measuring 22 feet's each and separated by a badminton net that stands at a height of 5.1. So, playing badminton frequently can help to increase our level of physical, mental health and fitness. Saina Nehwal, P.V. Sindu, Ashwini Ponnapa, Lakshya Sen, H.S. Prannoy, B. Sai Praneeth, Sameer Verma, Kiran George are some international badminton players who bought the glory to the nation by winning many medals in internation games including asian and Olympics too.

Apoorva, **IV Std**
D/o. Shri Vishwanath Kulkarni
CAO, Bengaluru South Commissionerate

IS LIFE WORTH LIVING?

As I read the following seemingly simple opening lines of a book about the experience of a Holocaust survivor, little did I know what was in store for me:

"This book does not claim to be an account of facts and events, but of personal experiences, experiences which millions of prisoners have suffered time and again. It is the inside story of a concentration camp, told by one of its survivors."

Viktor E Frankl, a psychiatrist by profession, in his profound work '**Man's search for meaning**' has shared his firsthand account of witnessing one of the most reprehensible instances of man visiting the most unspeakable horrors upon his fellow humans, the Nazi concentration camps. As I delved deeper into the book, it made me wonder, how can someone, when subjected to unprecedented adversities, carry-on living everyday with no end to their misery in sight? The answer is absolutely simple & extremely powerful- HOPE.

Life inside a concentration camp was by all accounts, worse than what hell could ever be. US Soldiers, after freeing the captives, came across a quote etched on a wall of a concentration camp cell, which read

"If there is a god, He will have to beg for my forgiveness". THIS is a testament to the sufferings of the innocent who were dealt the worst hand by fate. However, in spite of insurmountable odds stacked against them, the people in camps kept clinging to their hope & came out with unhealable scars, irreversible trauma & invaluable lessons for humanity.

Frankl has in the book underlined the power of our mind & the direct impact loss of hope can have on one's physical health. He recounts one such instance, where the Chief Doctor of the concentration camp shared that the death rate in the week between Christmas 1944, and New Year's, 1945, increased in camp beyond all previous experience.

The explanation for this increase was not the harder working conditions or the ever worsening food supplies or a change of weather or a new disease. It was simply that the majority of the prisoners had been living in the false hope that they would be free from captivity by Christmas. As the time drew near with freedom nowhere in sight, the prisoners lost courage and disappointment overcame them which had a dangerous influence on their powers of resistance to sickness.

Frankl quotes Friedrich Neitzsche saying **"He who has a why to live for, can bear with almost any how"**. His experience in the camp led Frankl to develop a new technique of psychotherapy called LOGOTHERAPY wherein the underlying focus is on accepting the harsh, unpleasant truth & finding purpose and meaning in life. Frankl recollects a paradox that some prisoners who were of a less hardy make-up often seemed to survive the life in concentration camp better than those who were of a stronger build. Sensitive people who were used to a rich intellectual life, who might have suffered much pain physically, suffered less damage to their inner selves because they were able to retreat from their terrible surroundings to a life of inner riches and spiritual freedom.

Life across all species, is full of suffering & endless misery & no one can escape it be it a common person or a powerful one. Where there is life, there is suffering albeit in varying degrees. Some suffer more than others, but everyone suffers nonetheless. If there cannot be a life without suffering & misery, it begs the question- IS LIFE WORTH LIVING?

Life ultimately means taking the responsibility to find the right answer to its problems and to fulfill the tasks which life constantly sets for each of us. The meaning of life may differ from one person to another, and from one moment to another. Sometimes the situation in which a person finds them self may require them to shape their own fate by purposeful action.

Other times, it is beneficial to count one's blessings & sometimes one has to simply accept their fate & bear the cross. This acceptance and willingness of bearing whatever life throws at us bestows an inexplicable calm & brings the anxiety of the unforeseen to rest.

A person who has factored in every tragedy that may befall them, cannot be wavered by anything life throws at them. In a nutshell, one has to make the best of any given situation. One has to be optimistic in the face of tragedy and realize their potential because it gives them the strength to turn suffering into an unparalleled achievement and accomplishment; to derive from guilt, the opportunity to change oneself for the better; and above all, deriving from life's transitoriness, an incentive to take responsible action.

If you ever find yourself at stuck in a corner without a glimmer of hope, remember the words of someone who has suffered more than what most of us will ever will,

"Everything can be taken from a man but one thing: the last of human freedoms- to choose one's attitude in any given set of circumstances, to choose one's own way of life"

Pratishtha
Stenographer Grade-II,
Central Tax
Bangalore North West
Commissionerate

SEASONS OF LOVE

He came like the first Rain,
quenched the thirsty bird;
It was not just a shower,
But a downpour of love.

He came like the first Snowfall,
To mesmerize the lover;
With every falling flake,
he showed her the true colors.

He came like the first Spring,
bloomed the dead dove;
The rays were so bright,
His warmth touched her like
No-one.

He came like the Autumn,
discarded the falling leaves;
brought a new hope,
and took away all her griefs.

He came like a gush of Wind,
held her like none did;
his was present and he was not,
yet she fell without a single
thought.

He came like a Wild Fire,
burnt her with passion and desire;
Embraced her in his strong arms,
Not letting anyone harm.

He came like a stream of Water,
with him her nights were shorter;
taught her what is to be loved,
As if she was drugged.

He came like the one and only
Earth,
Made to realize her self-worth;
Was it all destined she wondered?
Waited for this love years of
Hundred.

He came like blank Space,
blessed her with his grace;
She is always so low,
She is her own friend and foe.
He worries that is what she knows,
Wanted to take away all her woes.
Overthinks she, to accept or to
say no
She loves him then how can she
let him go?

Rachna
W/o Shri. Yatinder Kumar
Executive Assistant, Central Tax
Bengaluru Audit II Commissionerate

INTERNET ADDICTION

"The 60s had LCD. The 80s had Cocaine. The noughties have the Internet."

HARVARD BUSINESS REVIEW, 2009

How simply, yet elegantly, had this line described Internet as the drug of our generation. What is more impressive, however, is that back in 2009-

1. Instagram was still just a side project by the name of Burbn.
2. WhatsApp was a one-on-one chatting app, available only to iOS users.
3. Twitter had only 1 user with one million plus followers.
4. Nokia controlled 40% of global smartphone market.
5. My Space was still around.

Reading these facts, it is a shocking realization of just how drastically our world has changed in a mere span of 14 years. And more specifically, how magnanimously has our digital world evolved in the same period.

In 2023, we already live in a world where we are no strangers to people complaining about 'PubG addiction' or boosting about 'Digital detox'. This detox, in fact, is the New Yoga.

So ubiquitous have the 'internet-enabled-screens' become in our lives today that it is nearly impossible to escape them.

Hence, it becomes increasingly important to understand just why and how do we become addicted to the internet. And also, is there a way we can escape it?

HOW DO WE BECOME INTERNET JUNKIES?

Behemoths like Instagram, Twitter, YouTube are specifically designed to make users' brain secrete high levels DOPAMINE- the hormone responsible for motivation, pleasure and addiction.Every year, these tech-giants spend mega fortunes on figuring out the how to do the same. Hence, their search results and notifications are a scrumptious, deep study in Human Psychology.

First- Apps' notifications play out on the human proclivity to levitate towards certain bright colors and sharp noises. Researchers have found that human brain is more likely to remember certain colors over the others. Thus, color coding of notifications and logos is highly likely to have bright red and blue; bright green or some combination of the same.

Second- Our brain likes it better if does not have to make decisions on its own. That is, if we can just passively sit back and let someone else do the thinking, we feel most full filled. All the while assuming that we are in charge when we clearly are not. Thus-

- Netflix will start playing the next video before the previous one has ended;

Bright, monotone colors are the most common in notifications

- YouTube will do the same;
- Instagram will show you pictures from people you envy the most (also like/ stalk/ are jealous of)
- Twitter will show you most passionate tweets from your preferred ideology

Also, all of them have endless scrolling.

Via these techniques, these apps/ platforms unable us to consciously make the choice to **'STOP WATCHING'** and unconsciously push us to **'CONTINUE WATCHING'**.

Play the next video- before the user can hit the back button.

To sum up, in our internet-enabled-screens

- What colors patters are used;
- The frequency and loudness of their chimes;
- The daily timings of push notifications
- And more are all actually products of extremely addictive behaviors applied to their utmost max.

So, next time you encounter someone talking about how their spouse is addicted to online gaming. Or you find yourself hesitant to start a new web series because of a past history of compulsive binge watching, just remember what you read above.

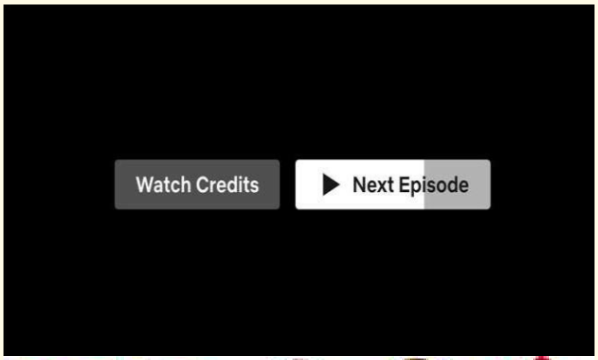

WHO BENEFITS FROM YOUR ADDICTION?

"Your attention is the most valuable, intangible possession in this world and you have already traded it for some memes to one of the many, many peddlers out there."

Yuval Noah Harrari, Google Talks 2018

This piece of information should make you crawl in your skin. Or question the very point of it- depending on how you look at it.

Because for the first time in history of human civilization, it is not any metal or commodity that has been given the highest bidding by the mightiest traders. It is the human attention which has been given this (un)worthy honor. And for the first time in history, no human has been discriminated against in this bidding. We all have been just given different bidders.

Let me explain this how.It does not matter whether one is a poor orphan living off beggary in the Sahara Desert or a Wall Street tycoon cutting billion dollar deals for breakfast in New York- both are basically the same on the internet. Yes, of course the deep learning algorithms will work differently for both but with the same end goal in target-

1. Sell them more of something.
2. Or convince them better of something.

It is this simple.

Everyone on the internet- irrespective of the race; nationality; economic status or place of birth- is just a vessel to tech giants. A vessel which needs to be emptied out of its money and filled in with a pre-preferred ideology and possessions.

If the poor kid in Sahara is to own a smartphone, he would be shown advertisement for the cheapest clothes for sale in the flea-markets nearby. The Wall-Street tycoon, on the other hand, would be shown an ad for collectible watches in the luxury stores nearby.

This way the sellers in their respective territories would be able to reach maximum possible potential customers. Thanks to the internet companies who had collected so much data points on their individual users that they could very specifically, successfully target the sellers' ads. And in return, charge a hefty advertising fee.

In the second scenario, if the kid were to search about the leader of her country, she would be

shown the leader's benevolent achievements. Or she would be shown his callous failures. This would be depending on whether the kid comes from an **ethnicity; territory; gender or demography** which favors the leader or opposes him. The same goes for the tycoon if he were to get curious about the President of USA.

If you are pre inclined towards a thought or are certain about a belief, the algorithms of internet would do everything in their power to reinforce that belief of yours.

They will feed your ego with content and 'proves' that whatever you were initially thinking was right.

It does not matter if that initial thought was as obvious as Earth going around the sun. Or as ludicrous as the Earth being a flat-land!

This way, a society is created where everyone thinks that only their version of the truth is the absolute truth. And any deviation from the same is a cardinal sin.

How this adds to polarization of society, into different sets of extreme, radical beliefs, is not a difficult guess.

But it does not have to be this way.

HOW TO 'GET OFF' THE INTERNET?

There are some very simple techniques that anyone can apply to their daily lives to make sure we have a leash on the technology. And not the other way around.

Change the color coding of your phone to grey-scale color filter-

Make your phone color blind

By making your phone essentially color blind, you pull yourself out of the of spell of color- coded notifications, designed you make you addicted.

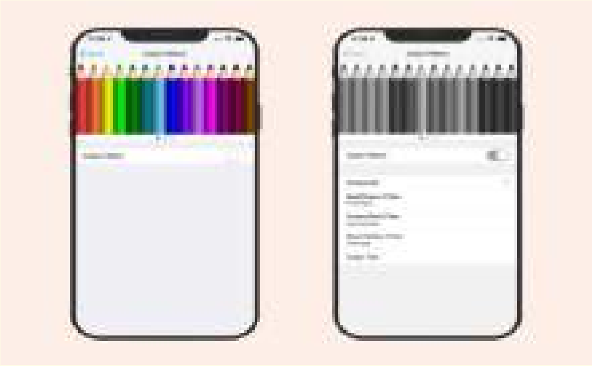

Dis-allow all the notifications from all the apps on your phone, unless they are extremely essential to your daily functioning

Only let those notifications break your attention which demand immediate work. Apps like food delivery; online shopping; gaming; travel; cab booking and even banking in some cases do not solicit immediate attention. And hence can be done away with in productive hours at least. But what constitutes 'immediate attention' is a highly subjective term.

Clean up your phone home screen to include only the apps which are essential to your functioning

To avoid falling down in an endless pit of mindless scrolling, in the middle of day, make sure 'distracting apps' like Instagram, YouTube, Twitter, Reddit etc are kept away at max distance on your phone screen. Selectively place only those apps on your home screen- which are essential to your functioning. Something which is highly again highly subjective.

Do not use any screen devices until 30 minutes after waking up and 45 minutes prior to sleeping

In a generation where mobiles are the first used after waking up and last thing to be used before sleeping, this one can be ambitious. But there is enough empirical data to prove that this behavior inculcates healthy usage of technology.

Prefer reading physical newspaper; books and papers than their digital counterparts

Researches have shown that consuming information the old-fashioned way-without any distractions to break your concentration and with liberty to underline important texts- makes for a more productive session and lasting retentivity.

CONCLUSION-

The dilemma surrounding the internet today can perfectly be summarized in following statement-

"How much is too much?"

Internet is a must in our lives and the current human civilization literally cannot exist without it. Needless to say, we cannot stop innovating and go back to the stone ages. But at the same time Science should not become a cohort of crony capitalists who only look at their users as bags of money and data.

And Internet should not become a junkyard of dopamine addicts who would not be even socially frowned upon, unlike substance abusers. But where and how we draw the line? And more importantly, who would draw the line?

The corporates? The governments? Or we ourselves?

Vivek Sehrawat
Inspector, Central Tax
Bengaluru North West
Commissionerate

अभिषेक गुप्ता
कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, केंद्रीय कर
प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय

कन्नड प्रशिक्षण

केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल द्वारा नासीन, बेंगलूरु के तत्वावधान में दिनांक 24-07-2023 को जे.एस.एस. टार्वस, बनशंकरी लेखापरीक्षा-॥ आयुक्तालय, में कार्यरत अधिकारियों के लिए तथा दिनांक 14.08.2023 को बी.एम.टी.सी. भवन, बनशंकरी के बेंगलूरु पश्चिम आयुक्तालय एवं लेखापरीक्षा-। आयुक्तालय में कार्यरत अधिकारियों के लिए 15 कार्यदिवस के लिए कन्नड प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध कन्नड साहित्यकार डॉ.एन. ज्ञानमूर्ति ने इन पाठ्यक्रमों में व्याख्यान दिया।

लेखापरीक्षा ॥ आयुक्तालय, बेंगलूरु में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए लेखापरीक्षा ॥ आयुक्तालय, बेंगलूरु के आयुक्त श्री एस.पी.सिंह ने कहा प्रांतीय भाषा का ज्ञान हर अधिकारी को होना चाहिए और विशेषकर केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क में कार्यरत उत्तर भारतीयों को अवश्य सीखना चाहिए। उन्होंने इस दिशा में नासीन, बेंगलूरु के प्रधान अपर महानिदेशक श्री जी. नारायण स्वामी जी को धन्यवाद दिया। तथा डॉ.एन. ज्ञानमूर्ति जी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया।

तदुपरांत दिनांक 14.08.2023 को बी.एम.टी.सी. भवन, बनशंकरी में आयोजित उद्घाटन समारोह में स्वयं प्रधान अपर महानिदेशक श्री जी. नारायण स्वामी जी ने डॉ.ज्ञानमूर्ति जी के कन्नड़ प्रशिक्षण की शैली के बारे में बताए और उपस्थित सभी अधिकारियों को इन कक्षाओं का भरपूर लाभ उठाने के लिए आह्वान किया। आगे डॉ.ज्ञानमूर्ति ने अपने भाषण में केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क के अधिकारियों को पढ़ाना एक सौभाग्य की बात बताई। तदुपरांत लेखापरीक्षा-। आयुक्तालय के संयुक्त आयुक्त डॉ. अरुणोदया एवं पश्चिम आयुक्तालय के अपर आयुक्त श्री सिद्लिंगेश ने कन्नड़ के महत्व पर और "केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क में कार्यरत सभी कन्नडेतर भाषियों को कन्नड सिखाना बहुत ही सुंदर कदम बताया। इस सराहनीय आयोजन के लिए नासीन, बेंगलूरु श्री जी.नारायण स्वामी महोदय ने हिंदी अनुभाग के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री वाई.सुब्रह्मण्यम को बधाइयाँ दी। नासीन, बेंगलूरु की अपर सहायक निदेशक श्रीमती स्मिता मुरलीधरन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री वाई.सुब्रह्मण्यम ने किया।

ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯೋತ್ಸವ

ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಮತ್ತು ಸೀಮಾ ಸುಂಕ ಇಲಾಖೆಯ ಕನ್ನಡ ಸಂಘದ ಚಟುವಟಿಕೆಯ ಒಂದು ವರದಿ

ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಮತ್ತು ಸೀಮಾ ಸುಂಕದ ಇಲಾಖೆಯ ಕನ್ನಡ ಸಂಘವು ಪ್ರತಿ ವರ್ಷದಂತೆ ಅಂದರೆ 2022 ರಲ್ಲಿಯು ಸಹ ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯೋತ್ಸವವನ್ನು ಅದ್ದೂರಿಯಾಗಿ ಆಚರಿಸಿತು. ದಿನಾಂಕ 25-11-2022 ರಂದು ಶುಕ್ರವಾರ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ಏರ್ಪಡಿಸಿತ್ತು. ಅಂದು ಮುಂಜಾನೆ 11 ಘಂಟೆಗೆ ಕಾರ್ಯಾಲಯದ ಆವರಣದಲ್ಲಿ ಧ್ವಜಾರೋಹಣ ಸಮಾರಂಭವನ್ನು ಏರ್ಪಡಿಸಲಾಗಿತ್ತು. ಸಮಾರಂಭಕ್ಕೆ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆ ವಹಿಸಿದ್ದ ಶ್ರೀಮತಿ ರಂಜನಾ ಝಾ, ಮಾನ್ಯ ಪ್ರಧಾನ ಮುಖ್ಯ ಆಯುಕ್ತರು, ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಮತ್ತು ಸೀಮಾ ಸುಂಕದ ಇಲಾಖೆ ಅವರಿಂದ ಧ್ವಜಾರೋಹಣ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ನೆರವೇರಿತು.

ಕೇಂದ್ರೀಯ ತೆರಿಗೆ ಮತ್ತು ಸೀಮಾ ಸುಂಕ ಇಲಾಖೆಯ ಕನ್ನಡ ಸಂಘದ ಚಟುವಟಿಕೆಯ ಒಂದು ವರದಿ

ಇಲಾಖೆಯ ಕ್ವಾಯರ್ ಗುಂಪು ತಂಡದಿಂದ ನಾಡಗೀತೆ ಹಾಗೂ ಕನ್ನಡದ ಭಾವಗೀತೆಗಳನ್ನು ಪ್ರಸ್ತುತ ಪಡಿಸಲಾಗಿತ್ತು. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಇಲಾಖೆಯಲ್ಲಿ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತಿದ್ದ ಸಾಧಕರನ್ನು ಸನ್ಮಾನಿಸುವ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಇತ್ತು. ಇವರಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಯುತ ಆರ್. ವಾಸುದೇವನ್, ಸಹಾಯಕ ಆಯುಕ್ತರು, ಕನ್ನಡ ಸಂಘದ ಅಧ್ಯಕ್ಷರು ಹಾಗೂ ಅನೂಪ್ ಆಂಟನಿ, ಹಾಕಿ ಕ್ರೀಡಾಪಟು ಮತ್ತು ಸಂಘದ ಸಂಸ್ಥಾಪಕ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀಯುತ ಕೋದಂಡರಾಮ್ ಅವರನ್ನು ಇಲಾಖೆಯ ಶ್ರೀ ಎನ್ ಜೆ ಕುಮರೇಶ್, ಆಯುಕ್ತರು ಹಾಗೂ ಇತರ ಉನ್ನತ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಸತ್ಕರಿಸಿದರು. ಈ ಶುಭ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ನೌಕರಿರಗಾಗಿ ಏರ್ಪಡಿಸಲಾಗಿದ್ದ ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ಸ್ಪರ್ಧೆಯಲ್ಲಿ ವಿಜೇತರಿಗೆ ಬಹುಮಾನ ನೀಡಿ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಿಸಲಾಯಿತು. ವಂದನೆ ಸ್ವೀಕರಿಸಿ ಮಾತನಾಡಿದ ಶ್ರೀಯುತ ಕೋದಂಡರಾಮ್ ಸಂಘ ನಡೆದುಬಂದ ದಾರಿಯನ್ನು ವಿವರಿಸಿ ಮುಂಬರುವ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಚಟುವಟಿಕೆಯಿಂದ ಇರಬೇಕೆಂದು ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ನೀಡಿದರು. ಕನ್ನಡ ಸಂಘದ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಯುತ ವಿಶ್ವನಾಥ ಕುಲಕರ್ಣಿಯವರ ನಿರುಪಣೆ ಹಾಗೂ ವಂದನಾರ್ಪಣೆಯೊಂದಿಗೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಮುಕ್ತಾಯವಾಯಿತು. ಕನ್ನಡ ಸಂಘದ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀಯುತ ಆರ್. ವಾಸುದೇವನ್, ಸಂಘದ ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು ಈ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಜರಿದ್ದರು.

GIST: **On the eve of KARNATAKA FORMATION DAY, every year in the month of November, Kannada Rajyotsava Day will be celebrated in all the offices.**

ಪ್ರಸನ್ನ ವಿ ಎಸ್ ಜೋಯ್ಸ್
ಹಿರಿಯ ತಾಂತ್ರಿಕ ಸಹಾಯಕರು
ನಗರ ಸೀಮಾ ಸುಂಕ ಆಯುಕ್ತರ ಕಚೇರಿ, ಬೆಂಗಳೂರು

ರಾಜ್ಯೋತ್ಸವದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ರಂಗೋಲಿ ಸ್ಪರ್ಧೆ ಆಯೋಜಿಸಲಾಗಿತ್ತು

ಪರಿಸರ ಸಂರಕ್ಷಣೆ

ಪರಿಸರವು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೀವಕ ಘಟಕಗಳ ಸುತ್ತಮುತ್ತಲಿನ ಪ್ರದೇಶವಾಗಿದೆ. ಪರಿಸರವು ಗಾಳಿ, ನೀರು, ಭೂಮಿಯಂತಹ ಅಂಶಗಳನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿದೆ. ಈ ಅಂಶಗಳು ಪರಿಸರದಲ್ಲಿ ಪರಿಸರ ಸಮತೋಲನವನ್ನು ಸೃಷ್ಟಿಸುತ್ತವೆ. ಅನಗತ್ಯ ಅಂಶಗಳ ಅನುಪಾತದಲ್ಲಿ ಯಾವುದೇ ರೀತಿಯ ಅಸಮತೋಲನವನ್ನು ಮಾಲಿನ್ಯ ಎಂದು ಕರೆಯಬಹುದು. ಇದು ಆರ್ಥಿಕ ಭೌತಿಕ ಮತ್ತು ಸಾಮಾಜಿಕ ಸಮಸ್ಯೆಯನ್ನು ಸೃಷ್ಟಿಸುತ್ತದೆ. ಪ್ರತಿದಿನ ಹದಗೆಡುತ್ತಿರುವ ಪರಿಸರ ಸಮಸ್ಯೆಗಳು ಮಾನವರ ಮೇಲೆ ಮತ್ತು ಗ್ರಹದ ಮೇಲೆ ಪ್ರತಿಕೂಲ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತವೆ.

ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯದ ಕಾರಣಗಳು

ಕೈಗಾರಿಕಾ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಮತ್ತು ಗ್ರಾಮೀಣ ಪ್ರದೇಶಗಳಿಂದ ನಗರ ಪ್ರದೇಶಗಳಿಗೆ ಉದ್ಯೋಗದ ಹುಡುಕಾಟದಲ್ಲಿ ಜನರು ವಲಸೆ ಹೋಗುವುದರಿಂದ ನಿಧಾನವಾಗಿ ಮತ್ತು ಕ್ರಮೇಣ ಆವಾಸಸ್ಥಾನದ ಸಮಸ್ಯೆ ಹೆಚ್ಚುತ್ತಿದೆ. ಇವು ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯಕ್ಕೆ ಮೂಲ ಕಾರಣಗಳಾಗಿವೆ. ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯದ ಪ್ರಮುಖ ವಿಧವೆಂದರೆ ವಾಯು ಮಾಲಿನ್ಯ, ಜಲ ಮಾಲಿನ್ಯ, ಮಣ್ಣಿನ ಮಾಲಿನ್ಯ ಮತ್ತು ಶಬ್ದ ಮಾಲಿನ್ಯ.

ಮಾಲಿನ್ಯವು ಆರೋಗ್ಯ ಮತ್ತು ಪರಿಸರದ ಮೇಲೆ ಹೇಗೆ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತದೆ?

ಹಲವು ಶತಮಾನಗಳಿಂದ ಜೀವಿಗಳು ಈ ಗ್ರಹದಲ್ಲಿ ಸಹಬಾಳ್ವೆ ನಡೆಸುತ್ತಿವೆ. ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯವು ಜನರು ಮತ್ತು ಇತರ ಜೀವಿಗಳ ಜೀವನವನ್ನು ನೇರವಾಗಿ ಮತ್ತು ಪರೋಕ್ಷವಾಗಿ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತದೆ.

➢ **ಭೂಮಿ, ಮಣ್ಣು ಮತ್ತು ಆಹಾರದ ಮೇಲೆ ಮಾಲಿನ್ಯದ ಪರಿಣಾಮಗಳು**

ಅಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ರಾಸಾಯನಿಕ ತ್ಯಾಜ್ಯದ ಹೊರಸೂಸುವಿಕೆಯು ಮಣ್ಣು ಮತ್ತು ಭೂಮಿಗೆ ಹಾನಿ ಮಾಡುತ್ತದೆ. ಕೀಟನಾಶಕಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ನೀರು ಮತ್ತು ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಹೊರಸೂಸುತ್ತವೆ. ಮಣ್ಣಿನ ಸವೆತ ಮತ್ತು ಕರಗದ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳು ಮಣ್ಣಿನ ಮಾಲಿನ್ಯದ ಮುಖ್ಯ ಕಾರಣಗಳಾಗಿವೆ.

➢ **ವಾಯು ಮಾಲಿನ್ಯದಿಂದ ಪರಿಸರದ ಮೇಲೆ ಪರಿಣಾಮ**

ಕಾರ್ಬನ್ ಮಾನಾಕ್ಸೈಡ್ ಮತ್ತು ಧೂಳಿನ ಕಣಗಳ ಮಿಶ್ರಣದಿಂದ ಹೊಗೆ ರೂಪುಗೊಳ್ಳುತ್ತದೆ. ಇದು ಉಸಿರಾಟದ ತೊಂದರೆ ಮತ್ತು ಹೊಗೆಯನ್ನು ಸೃಷ್ಟಿಸುತ್ತದೆ. ಕೈಗಾರಿಕಾ ತ್ಯಾಜ್ಯಗಳು ಮತ್ತು ಇಂಧನಗಳ ದಹನದಿಂದಲೂ ವಾಯು ಮಾಲಿನ್ಯ ಉಂಟಾಗುತ್ತದೆ. ಇದು ಪಕ್ಷಿಗಳ ಆವಾಸಸ್ಥಾನಗಳ ಮೇಲೆ ಪ್ರತಿಕೂಲ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಮಾನವನ ಪ್ರಮುಖ ಅಂಗಗಳ ಮೇಲೆ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತದೆ.

➢ **ಹವಾಮಾನ ಸ್ಥಿತಿಯ ಮೇಲೆ ಮಾಲಿನ್ಯದ ಪರಿಣಾಮ**

ಹವಾಮಾನ ಬದಲಾವಣೆಗೆ ಮುಖ್ಯ ಕಾರಣ ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯ. ಇದು ಭೌತಿಕ ಮತ್ತು ಜೈವಿಕ ಪರಿಸರ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಮೇಲೆ ಪ್ರತಿಕೂಲ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತದೆ. ಓಝೋನ್ ಪದರದ ಹಾನಿ, ಹಸಿರುಮನೆ ಪರಿಣಾಮ, ಅಪಾಯಕಾರಿ ಅನಿಲ ಹೊರಸೂಸುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಜಾಗತಿಕ ತಾಪಮಾನವು ಮಾಲಿನ್ಯದಿಂದಾಗಿ ಹವಾಮಾನ ಬದಲಾವಣೆಗಳಿಗೆ ಕೆಲವು ಉದಾಹರಣೆಗಳಾಗಿವೆ. ಇದು ಪರೋಕ್ಷವಾಗಿ ಸಾಗರ ಪರಿಸರ ವ್ಯವಸ್ಥೆಗಳನ್ನು ಕಲುಷಿತಗೊಳಿಸುತ್ತದೆ. ಇದರಿಂದ ಮುಂದಿನ ಪೀಳಿಗೆಗೆ ತೊಂದರೆಯಾಗಬಹುದು. ಅನಿರೀಕ್ಷಿತ ಬಿಸಿ ಮತ್ತು ತಣ್ಣನೆಯ ಗಾಳಿಯು ಪ್ರಕೃತಿಯ ಮೇಲೆ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತದೆ. ಇದರೊಂದಿಗೆ ಭೂಕಂಪದ ಹೊಗೆ, ಇಂಗಾಲದ ಅಣುಗಳು, ಮಳೆಯ ಕೊರತೆ, ಹಿಮಪಾತ, ಗುಡುಗುಗಳು ಮತ್ತು ಮಾಲಿನ್ಯದ ಪರಿಣಾಮವಾಗಿ ಜ್ವಾಲಾಮುಖಿ ಸ್ಫೋಟದಿಂದಾಗಿ ಹವಾಮಾನ ಬದಲಾವಣೆಗಳು ಉಂಟಾಗುತ್ತವೆ.

➢ **ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯ ನಿಯಂತ್ರಣ ಹೇಗೆ?**

ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಕೆಲವು ಮುನ್ನೆಚ್ಚರಿಕೆ ವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ನವೀಕರಿಸಲಾಗದ ಸಂಪನ್ಮೂಲಗಳ ಮರುಬಳಕೆ. ಕೈಗಾರಿಕಾ ತ್ಯಾಜ್ಯವನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಬೇಕು. ನೈಸರ್ಗಿಕ ಸಂಪನ್ಮೂಲಗಳನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು, ಕಾಗದ, ಗಾಜು, ಪ್ಲಾಸ್ಟಿಕ್ ಮತ್ತು ಎಲೆಕ್ಟ್ರಾನಿಕ್ ವಸ್ತುಗಳ ಬಳಕೆಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಬೇಕು. ಮಣ್ಣಿನ ಮಾಲಿನ್ಯವನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಲು ಪ್ಲಾಸ್ಟಿಕ್ ಬಳಕೆಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಬೇಕು. ನಗರ ಮತ್ತು ಕೈಗಾರಿಕಾ ತ್ಯಾಜ್ಯವನ್ನು ಸರಿಯಾಗಿ ಮರುಬಳಕೆ ಮಾಡಬೇಕು. ನಗರ ಒಳಚರಂಡಿ ತ್ಯಾಜ್ಯದಿಂದ ಉತ್ಪತ್ತಿಯಾಗುವ ಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಬಳಸಿಕೊಂಡು ಸಾವಯವ ಕೃಷಿಗೆ ಉತ್ತೇಜನ ನೀಡಬೇಕು. ವಾಯು ಮಾಲಿನ್ಯವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನದ ಪರಿಸರ ಸ್ನೇಹಿ ವಾಹನಗಳು ಮತ್ತು ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳಸಬೇಕು. ಹಸಿರುಮನೆ ಪರಿಣಾಮವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಮತ್ತು ಪರಿಸರ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳನ್ನು ಸಮತೋಲನಗೊಳಿಸಲು ಹೆಚ್ಚು ಮರಗಳನ್ನು ನೆಡಬೇಕು.

ವಾಹನಗಳ ಸರಿಯಾದ ನಿರ್ವಹಣೆ ಮತ್ತು ಧ್ವನಿ ನಿರೋಧಕ ಜನರೇಟರ್ಗಳನ್ನು ಬಳಸುವ ಮೂಲಕ ಶಬ್ದ ಮಾಲಿನ್ಯವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಬಹುದು. ಜಲಮಾಲಿನ್ಯವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಹಲವು ಕಾರ್ಯವಿಧಾನಗಳನ್ನು ಜಾರಿಗೊಳಿಸಬೇಕು. ನೀರನ್ನು ಮರುಬಳಕೆ ಮಾಡಬೇಕು ಅಥವಾ ಸರಿಯಾಗಿ ಬಳಸಬೇಕು. ಕೈಗಾರಿಕಾ ತ್ಯಾಜ್ಯವನ್ನು ನದಿ, ತೊರೆಗಳು, ಸರೋವರಗಳು ಮುಂತಾದ ಜಲಮೂಲಗಳಿಗೆ ಬಿಡಬಾರದು. ಪ್ರಪಂಚದ ವಿವಿಧ ದೇಶಗಳು ಈ ಅಪಾಯಕ್ಕೆ ಪರಿಣಾಮಕಾರಿಯಾಗಿ ಪರಿಹಾರವನ್ನು ಕಂಡುಕೊಳ್ಳುತ್ತಿವೆ. ಭವಿಷ್ಯದ ಪೀಳಿಗೆಗೆ ಈ ಭೂಗ್ರಹವನ್ನು ಉಳಿಸುವ ಅಗತ್ಯತೆಯ ಬಗ್ಗೆ ಸಾರ್ವಜನಿಕರಿಗೆ ತಿಳುವಳಿಕೆ ನೀಡಲು ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಜಾಗೃತಿ, ಅಭಿಯಾನಗಳನ್ನು ಆಯೋಜಿಸಬೇಕು. ಸೌರಶಕ್ತಿ, ಎಲೆಕ್ಟ್ರಿಕ್ ವಾಹನಗಳು, ಪವನ ಶಕ್ತಿ ಇತ್ಯಾದಿಗಳನ್ನು ಬಳಸಿಕೊಂಡು ಪರಿಸರ ಸ್ನೇಹಿ ಜೀವನಶೈಲಿಯನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು, ಹೆಚ್ಚು ಮರಗಳನ್ನು ನೆಡಲು, ಪ್ಲಾಸ್ಟಿಕ್ ಬಳಕೆಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು, ಸರಿಯಾದ ತ್ಯಾಜ್ಯ ನಿರ್ವಹಣೆ, ರಾಸಾಯನಿಕ ಕೀಟನಾಶಕಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳ ಬಳಕೆಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಸರ್ಕಾರವು ಪ್ರೋತ್ಸಾಹಿಸುತ್ತಿದೆ.

- **ಸಮಾರೋಪ:** ಪರಿಸರ ಮಾಲಿನ್ಯವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ವ್ಯಕ್ತಿಯು ಸಕ್ರಿಯವಾಗಿ ಭಾಗವಹಿಸಬೇಕು. ನಮ್ಮ ಗ್ರಹವನ್ನು ಮಾಲಿನ್ಯದಿಂದ ರಕ್ಷಿಸುವುದು ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ವ್ಯಕ್ತಿಯ ಜವಾಬ್ದಾರಿಯಾಗಿದೆ. ಯಾವುದೇ ಮುಂಜಾಗ್ರತಾ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳದಿದ್ದರೆ, ನಮ್ಮ ಭವಿಷ್ಯದ ಪೀಳಿಗೆ ದೊಡ್ಡ ಅಪಾಯವನ್ನು ಎದುರಿಸಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ. ಭಾರತದ ಅಮೃತ ಕಾಲದ ಶುಭ ಸಂದರ್ಭಕ್ಕಾಗಿ ಮತ್ತು ಸ್ವಚ್ಛತಾ ಅಭಿಯಾನದ ಭಾಗವಾಗಿ, ನಾನು ಈ ಸಣ್ಣ ಲೇಖನವನ್ನು ಅರ್ಪಿಸುತ್ತೇನೆ.

EPILOGUE:

CONSERVATION OF ENVIRONMENT – Need of the Hour

Every person should actively participate in conservation of environment. It is the responsibility of every citizen to protect our planet from pollution. If no precautionary measures are taken, our future generation will have to face a big risk. On the auspicious occasion of Bharat Azadi ka Amrit Mahotsav and as a part of cleanliness campaign, I dedicate this short essay.

ಧನ್ಯವಾದಗಳೊಂದಿಗೆ:

ರಾಮಚಂದ್ರ ಎಂ ಹೆಗಡೆ

ಕೇಂದ್ರ ತೆರಿಗೆಯ ಅಧೀಕ್ಷಕರು

ಬೆಂಗಳೂರು ವಾಯುವ್ಯ ಕಮಿಷನರೇಟ್.

संबरण हजरा

कर सहायक, सीमा शुल्क

अपील्स आयुक्तालय, बेंगलूरु

Chitraकारी

श्रेयांश पांडा, यूकेजी कक्षा
सुपुत्र: श्री सिबा प्रसाद पांडा
अपर आयुक्त, केंद्रीय कर
मैसूरु आयुक्तालय

वाई. श्रीनिधि, 6 ठी कक्षा
सुपुत्री : श्री वाई. सुब्रह्मण्यम
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय
बेंगलूरु

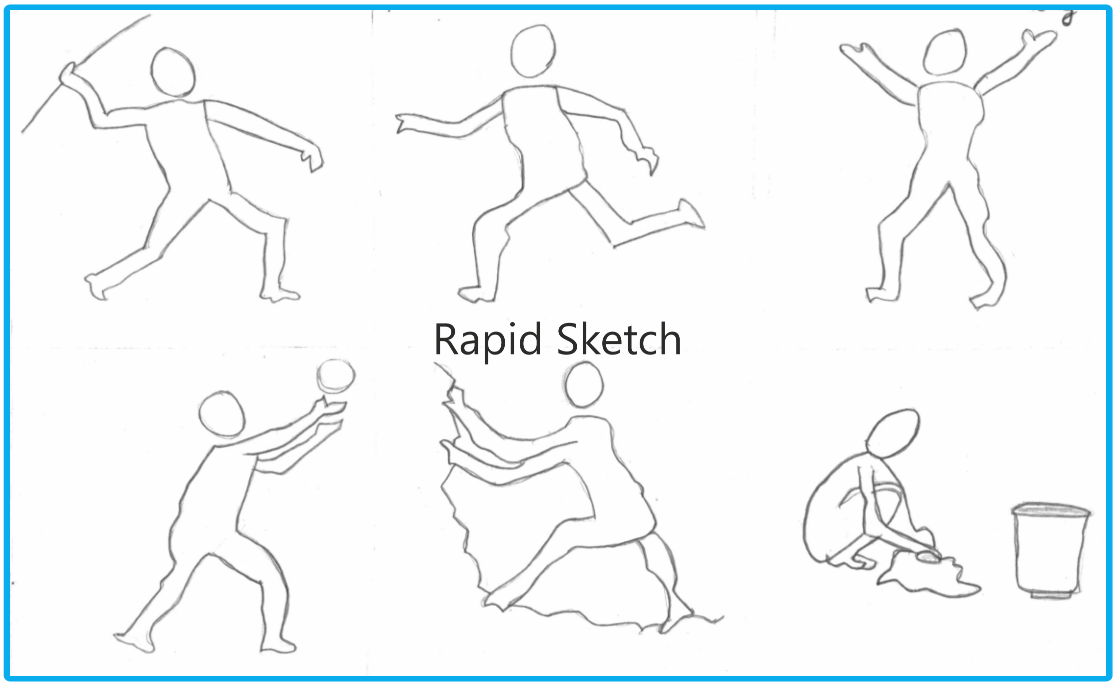

Chitraकारी

वाई.एन.वी. श्रीललिता, 10 वीं कक्षा
सुपुत्री : श्री वाई. सुब्रह्मण्यम
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय
बेंगलूरु

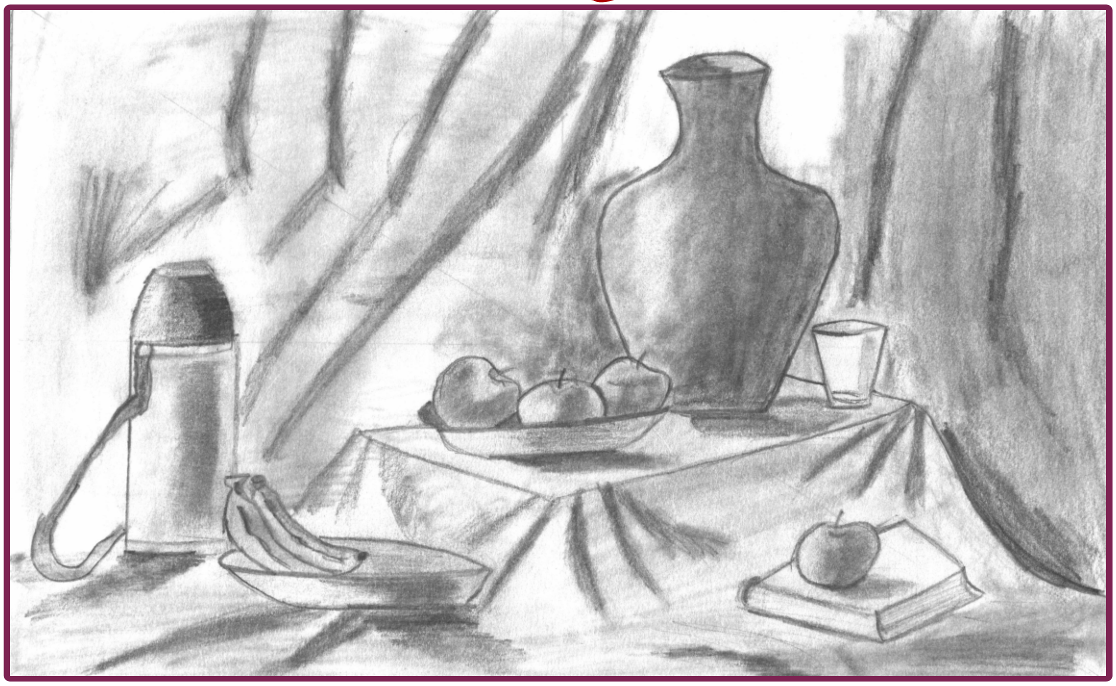

बी एस उषा
वरिष्ठ निजी सचिव
केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय
बेंगलूरु

Chitraकारी

एंजेलिया अनीश, 9 वीं कक्षा
सुपुत्री : श्रीमती लयाना जोस
स्टेनोग्राफर ग्रेड- I
केंद्रीय कर अपील II
बेंगलूरु

रिशु गुप्ता, निरीक्षक
केंद्रीय कर,बेंगलूरु पश्चिम आयुक्तालय

Chitrakārī

श्रीजित एम.पणिकर
लेखाचित्र अभिनव स्नातकोत्तर
सुपुत्र : श्रीमती बिंदु नायर
प्रशासनिक अधिकारी
केंद्रीय कर, बेंगलूरु उत्तर आयुक्तालय

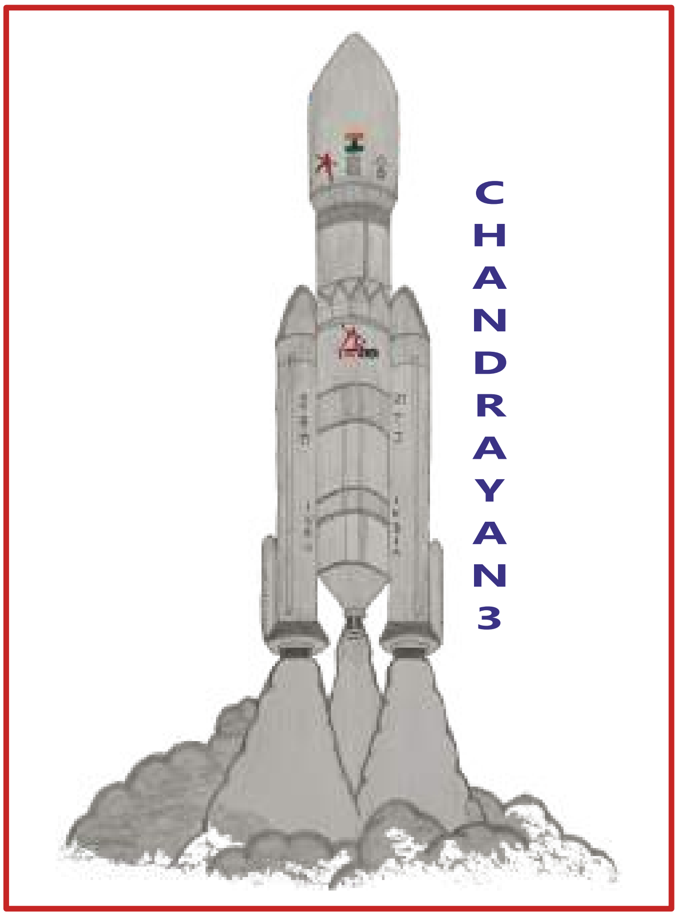

सिंधु एस., बी.सी.ए.
सुपुत्री : श्री सोमशेखरा एच.ए., एम.टी.एस.
केंद्रीय कर, बेंगलूरु लेखापरीक्षा - II आयुक्तालय

दिनांक 19.11.2022 को माननीय राजस्व सचिव श्री तरुण बजाज ने बेंगलूरु केंद्रीय कर और सीमा शुल्क अंचल की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बेंगलूरु अंचल की प्रधान मुख्य आयुक्त सुश्री रंजना झा एवं अंचल में कार्यरत सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

टीकाकरण शिविर

दिनांक 26.01.2023 को आईआरएस (सी एंड आईटी) एसोसिएशन बेंगलूरु चैप्टर ने बीबीएमपी और अपोलो अस्पताल के सहयोग से सीआर भवन में एक मुफ्त कोविड 19 बूस्टर खुराक टीकाकरण शिविर का आयोजन किया। लगभग 100 अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को खुराक दी गई। यह आयोजन श्री अरविंद माधवन, अध्यक्ष, आईआरएस (सी एंड आईटी) एसोसिएशन, बेंगलूरु चैप्टर के मार्गदर्शन में हुआ और प्रधान मुख्य आयुक्त श्रीमती रंजना झा ने उपस्थित होकर इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

श्रीमती एन. उषा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, सीमा शुल्क मुख्य आयुक्त का कार्यालय से दिनांक 30-06-2023 को सेवानिवृत हुईं।

sign & Print @ AAKAAR TECHNOLOGIES, BENGALURU-560 061. Ph: +91-94810 07801